वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 323 मंगलवार 28 अप्रैल 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

अंत्योदय की दृष्टि से अंतिम व्यक्ति तक विकास की योजनाएं पहुंचा रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

15 दिवसीय ग्राम रथ अभियान का शुभारंभ

निवेशकों को कृषि क्षेत्र की संभावनाओं को जानने का मिलेगा अवसरः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

राज्यसभा सांसद नितिन नवीन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ग्राम रथों को किया रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यसभा सांसद नितिन नवीन एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 23 से 25 मई तक जयपुर में आयोजित होने वाले ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 को लेकर सोमवार को 15 दिवसीय ग्राम रथ अभियान की शुरूआत की। ओटीएस में आयोजित हुए इस कार्यक्रम के दौरान रवाना किए गए ग्राम रथों के जरिए प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों तक पहुंचकर ग्राम-2026 का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। साथ ही, राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी। राज्यसभा सांसद नितिन नवीन ने कहा कि अंत्योदय के संकल्प को साकार करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अंतिम छोर के व्यक्ति का कल्याण सुनिश्चित कर रहे हैं। जनधन खातों के जरिए यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि गरीब एवं सामान्य परिवार का व्यक्ति स्वाभिमान के साथ आगे बढ़े। वहीं, मेक इन इंडिया के तहत स्टार्टअप से लेकर स्किल इंडिया तक को आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि देश के युवा के हुनर को अपने ही देश की विकास की योजनाओं में उपयोग किया जा सके। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण और युवाओं के भविष्य को सुदृढ़ करने के लिए भी राज्य सरकार अच्छा कार्य कर रही है। राइजिंग राजस्थान के जरिए निवेश के साथ रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं। विकसित भारत 2047 के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने के लिए विकसित राजस्थान 2047 का रोडमैप बनाकर राज्य सरकार कार्य कर रही है और आमजन तक कल्याणकारी योजनाएं पहुंच रही हैं।

राजस्थान के विकास को मिली नई रफ्तार

नितिन नवीन ने राज्य सरकार की ओर से 2 साल में किए गए विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान के विकास को नई रफ्तार मिली है। किसानों की आय को दुगुना करने और किसानों को समृद्ध बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। इसी कड़ी में ग्राम रथों को प्रदेश के हर गांव तक पहुंचाने का अभियान सराहनीय है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास को लेकर राज्य सरकार जिस संकल्प को लेकर कार्य कर रही है, उसे देखते हुए राजस्थान विकास के पथ पर तेजी से और आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कृषि, किसान और गांव सशक्त होने से ही भारत आत्मनिर्भर बनेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इसी विजन से प्रेरित होकर राज्य सरकार गांव और किसान को सशक्त करने का कार्य कर रही है। इसी कड़ी में ग्राम रथों के जरिए ना केवल लोगों तक उनके हितों की जानकारी पहुंचाई जाएगी, बल्कि इन रथों में एक सुझाव पेटिका भी रखी गई है। जिसके जरिए आमजन अपनी समस्याएं और सुझाव सीधे सरकार तक पहुंचा सकेंगे। रथों के साथ जिलों में अधिकारियों को भी भेजा जाएगा, जो राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 पर प्राप्त शिकायतों का तत्काल निस्तारण करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि का मजबूत इकोसिस्टम विकसित करने के लिए कार्य कर रही है और ग्राम-2026 का आयोजन उसी दिशा में एक ठोस कदम है। इसमें कृषि उत्पादन, कृषि तकनीक, फूड प्रोसेसिंग, बागवानी व पशुपालन से जुड़ी कई कंपनियां, इंडस्ट्रीज, तकनीकी एक्सपर्ट्स और हजारों किसान एक मंच पर आकर कृषि क्षेत्र को नई ऊंचाई देने पर मंथन करेंगे। किसानों को खेती, पशुपालन, बागवानी से जुड़ी उन्नत तकनीकें जानने का अवसर मिलेगा। साथ ही, निवेशकों को राजस्थान के कृषि क्षेत्र में उपलब्ध भरपूर संभावनाओं से रूबरू होने का मंच मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के किसान को सशक्त करने के लिए किसान सम्मान निधि, किसान मान-धन, फसल बीमा, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड समेत कई योजनाएं चलाई हैं। वहीं, देशवासियों का गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री आवास, प्रधानमंत्री उज्ज्वला, स्वामित्व, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा, स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं के जरिए हर वर्ग का विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता की आकांक्षाओं को जानने, समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने के लिए फील्ड में जाना जरूरी है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार ने जनवरी-फरवरी में ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन किया, जिनमें विभिन्न विभागों ने एक ही स्थान पर लोगों की समस्याओं का समाधान किया। वहीं, राजस्थान दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-वार्ड अभियान की शुरूआत की गई। जिसके जरिए वर्ष 2047 तक गांवों के विकास का व्यापक मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है।

व्यक्तित्व निर्माण और गुरु भक्ति से ही प्रशस्त होगा मोक्ष का मार्ग: मुनि विनम्र सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की अक्षुण्ण परंपरा के ओजस्वी संत मुनि श्री 108 विनम्र सागर जी महाराज इन दिनों त्रिवेणी नगर स्थित जैन मंदिर में सानिध्य प्रदान कर रहे हैं। अपने प्रवास के दूसरे दिन आयोजित मंगल प्रवचन सभा में मुनि श्री ने श्रावकों को आत्म-कल्याण और व्यक्तित्व निर्माण का मार्ग दिखाया।

अस्तित्व और व्यक्तित्व का अंतर

मुनि श्री ने जीवन के गहरे दर्शन को समझाते हुए कहा कि आज के समय में समाज में तीन तरह के लोग सक्रिय हैं– कुछ लोग अपने अस्तित्व को बचाने में लगे हैं, कुछ इसे मिटाने में और कुछ नया अस्तित्व बनाने में जुटे हुए हैं। यही स्थिति परिवारों में भी देखी जा रही है, जहाँ लोग व्यक्तित्व के निर्माण, संरक्षण या उसे मिटाने के संघर्ष में लगे हैं। उन्होंने जोर दिया कि मनुष्य को आत्म-शुद्धि पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि शुद्ध आत्मा ही मोक्ष प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करती है।

देव-शास्त्र-गुरु के प्रति कर्तव्य

श्रावक धर्म की चर्चा करते हुए मुनि श्री ने कहा कि प्रत्येक श्रावक को प्रतिदिन प्रातःकाल मंदिर जाकर जिनेंद्र देव के दर्शन करने चाहिए। उन्होंने गुरु के प्रति कृतज्ञता और सदाचरण को जीवन का अनिवार्य अंग बताया। उन्होंने कहा कि मुनि केवल मोक्ष का मार्ग बताते हैं, लेकिन उस मार्ग पर सही आचरण के साथ चलना श्रावक का कर्तव्य है।

धार्मिक अनुष्ठानों की धूम

मंदिर समिति के मंत्री शैलेन्द्र जैन ने बताया कि कार्यक्रम का

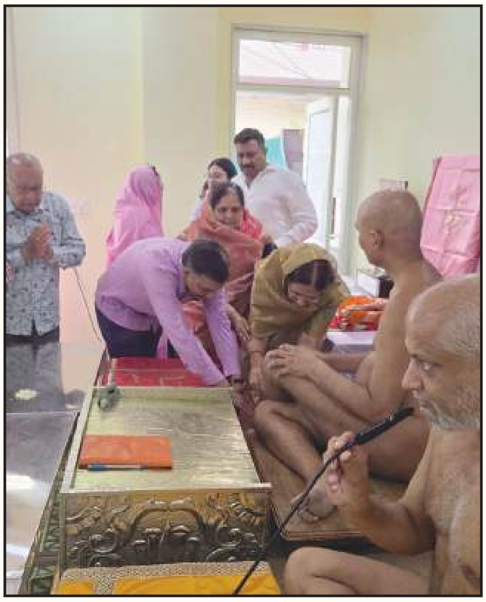

शुभारंभ संत भवन में महिला मंडल द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से हुआ। भक्तिमय वातावरण के बीच अशोक-संतोष पाटोदी ने दीप प्रज्वलन किया। नवीन बज-आशा एवं सरोज बज परिवार ने मुनि श्री के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त किया। शास्त्र भेंट करने का पुण्य शीला जी एवं हीरा-प्रेरणा बडजात्या परिवार को मिला। मंदिर समिति के अध्यक्ष महेन्द्र काला ने बताया कि इस विशेष अवसर पर राजस्थान जैन सभा के महामंत्री मनीष वैद, वरुण पथ जैन समाज के राजेन्द्र सोनी, राजकुमार पाण्ड्या एवं अनिल ठोल्या ने मुनि श्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान महावीर कासलीवाल, राकेश छाबड़ा, महिला मंडल की मंत्री बबीता लुहाड़िया, मृदुला काला, मनोरमा चांदवाड, वंदना अजमेरा सहित बड़ी संख्या में समाज के श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे।

नरेश कासलीवाल
अखिल भारतवषीय दिगम्बर जैन परिषद
प्रचार संयोजक राजस्थान प्रांत
@ 9462191401

मुनि विनम्र सागरजी महाराज का त्रिवेणी नगर में मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य विद्यासागर महाराज की परंपरा के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री विनम्र सागरजी महाराज ससंघ का रविवार को श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, त्रिवेणी नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ।इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद, राजस्थान प्रांत के प्रचार-प्रभारी नरेश कासलीवाल ने बताया कि मुनि संघ के नगर प्रवेश के दौरान मार्ग में जगह-जगह श्रावकों ने आरती उतारी और पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धालुओं में मुनिश्री के दर्शन को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। मंदिर पहुंचने पर महिला मंडल की महिलाओं ने मंगल कलश के साथ मुनि संघ की अगवानी की। मंदिर समिति की ओर से विधिपूर्वक पाद प्रक्षालन किया गया। मुनि संघ के संयोजक महावीर कासलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत संत भवन में महिला मंडल के मंगलाचरण से हुई। इसके बाद दीप प्रज्वलन ज्ञानचंद-मधु अनोपड़ा द्वारा किया गया तथा पाद प्रक्षालन महेंद्र-मृदुला काला ने संपन्न कराया। शास्त्र भेंट का सौभाग्य राजेंद्र-कंचन देवी लुहाड़िया परिवार को प्राप्त हुआ। अपने प्रवचन में मुनिश्री विनम्र सागरजी महाराज ने कहा कि मनुष्य जन्म अत्यंत दुर्लभ है और यह 10 प्राणों सहित पंचेंद्रिय अवस्था में प्राप्त होता है, इसलिए इसका सदुपयोग धर्म और साधना में करना चाहिए। उन्होंने मंदिर में प्रवेश के समय अनुशासन और विवेक बनाए रखने पर बल देते हुए कहा कि ऐसा आचरण होना चाहिए जिससे किसी अन्य श्रद्धालु की पूजा या साधना में विघ्न न पहुंचे। मुनिश्री ने समाजिक समरसता पर भी अपने विचार रखते हुए कहा कि समाज में ऐसे सकारात्मक प्रयास होने चाहिए जो सामूहिक उत्थान का मार्ग प्रशस्त करें। धर्म के साथ-साथ सामाजिक संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। इस अवसर पर आचार्य ज्ञान सागर महाराज से संस्कृत शिक्षा प्राप्त कर मुनियों को संस्कृत ज्ञान प्रदान करने वाले सीकर निवासी धर्मचंद सेठी का मंदिर समिति द्वारा माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मंदिर समिति के अध्यक्ष महेंद्र काला, राकेश छाबड़ा, लोकेश जैन, जितेंद्र कासलीवाल, अंकुर पाटोदी, अशोक पापड़ीवाल, सुरेश सेठ, कमल चांदवाड़, भागचंद पाटनी, राजेंद्र पाटनी, अशोक पाटोदी, सुनील-संजीव लुहाड़िया, महेंद्र जैन, प्रशांत अजमेरा, हीरा जैन, गौरव जैन, संजय सोगानी, विजय पांड्या, सुभाष काला, राजेश कुमार जैन, विनोद अजमेरा, सुशील सोगानी, मनोज टोंग्या सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शिमला पापड़ीवाल, मृदुला काला, मंत्री बबीता लुहाड़िया, मैना पाटनी सहित बड़ी संख्या में समाजबंधुओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमामय बना दिया।

प्रभु का ज्ञानकल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

नवधाभक्ति पूर्वक हुआ महामुनिराज का आहारदान

आगरा. शाबाश इंडिया। न्यू आदर्श नगर, बल्केश्वर स्थित श्री सर्वताभद्र जिनालय द्वारा आयोजित श्री आदिनाथ जिनविंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य आयोजन 23 से 27 अप्रैल तक आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव के चौथे दिन 26 अप्रैल को प्रभु का ज्ञानकल्याणक महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज एवं मुनिश्री विश्वसौम्यसागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य तथा प्रतिष्ठाचार्य जय निशांत भैयाजी एवं संदीप जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में प्रातःकाल से ही धार्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला प्रारंभ हो गई। सर्वप्रथम पात्रों द्वारा अष्टद्रव्यों से जिनाभिषेक, नित्यार्चना एवं प्रभु के ज्ञानकल्याणक की समस्त मांगलिक क्रियाएं विधि-विधान के साथ सम्पन्न की गईं। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने उपाध्यायश्री के चरणों का प्रक्षालन कर शास्त्र भेंट किए तथा मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वह पावन क्षण रहा जब राजा श्रेयांश एवं सोम के रूप में सुसज्जित पात्रों द्वारा महामुनिराज को इक्षुरस से प्रथम आहार अर्पित किया गया। इसके उपरांत उपस्थित श्रद्धालुओं ने पारंपरिक नवधाभक्ति पूर्वक आहारदान कर धर्मलाभ अर्जित किया। महोत्सव के दौरान भव्य समवशरण की आकर्षक रचना की गई, जहां उपाध्यायश्री ने अपनी देशना के माध्यम से धर्म, अहिंसा एवं आत्मकल्याण का संदेश दिया। उनके प्रवचनों से पूरा वातावरण आध्यात्मिक भावनाओं से ओतप्रोत हो गया। संध्या समय 1008 दीपकों से प्रभु की संगीतमय मंगल आरती की गई, जिससे संपूर्ण परिसर अलौकिक आभा से आलोकित हो उठा। इसके पश्चात रात्रि 8 बजे सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें इंदौर के गायक रूपेश जैन ने जैन भजनों की प्रस्तुति देकर सभी को भावविभोर कर दिया। साथ ही शांतिनाथ महिला मंडल एवं अन्य महिला मंडलों द्वारा मंगलाचरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

नेमिनाथ के चरित्र को जीवन में उतारें: आचार्य श्री वर्धमान सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रमुख जैनाचार्य आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज ने कहा कि 22वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ के आदर्शों को अपने जीवन में उतारना ही सच्ची साधना है। उन्होंने बताया कि भगवान नेमिनाथ ने जीवदया और करुणा का जो अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया, वह आज के समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। साथ ही उन्होंने वर्तमान समय की बेटियों से राजुलमति जैसे आदर्श अपनाने का आह्वान किया। आचार्य श्री वर्धमान सागर महाराज जयपुर की नेमी सागर कॉलोनी में मंगल प्रवेश के उपरांत अपने प्रवचन में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व आचार्य श्री एवं मुनि संघ ने निर्माण नगर से विहार कर नेमी सागर कॉलोनी तक पदयात्रा की। इस मंगल प्रवेश शोभायात्रा में सैकड़ों महिला-पुरुष एक समान गणवेश में बैंडबाजे के साथ भक्ति गीतों और नारों के साथ शामिल हुए, जिससे पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का वातावरण बन गया। समिति के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगल प्रवेश के उपरांत विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्री अनिल जैन एवं बबीता जैन धुआँ वाला परिवार द्वारा चित्र अनावरण किया गया। श्रीमती संतोष देवी बाकलीवाल एवं उनके परिवार द्वारा पाद प्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्री नेमिचंद गंगवाल एवं परिवार ने शास्त्र भेंट किए, वहीं वीरेन्द्र कुमार गोधा किशनगढ़वाला परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। आचार्य श्री के प्रवचनों ने उपस्थित जनसमूह को धर्म, करुणा और संयम के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

आचार्य विशद सागर महाराज ससंघ का 11 साल बाद अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में भव्य मंगल प्रवेश, श्रद्धालुओं ने लिया आशीर्वाद

पदमपुरा. शाबाश इंडिया

गणाचार्य विराग सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य, क्षमा मूर्ति आचार्य विशद सागर महाराज ससंघ (7 पिच्छिका) का 11 साल बाद पदमपुरा बाड़ा स्थित श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र में गाजे-बाजे के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और आचार्य संघ से आशीर्वाद प्राप्त किया। राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आचार्य संघ 43 दिन की पदयात्रा कर यहां पहुंचा। यह पदयात्रा इंदौर से प्रारंभ होकर पन्ना, श्री महावीर जी, गंगापुर सिटी, लालसोट, कोटखावदा, छोटा गिरनार और आकोडिया होते हुए रविवार प्रातः विशाल जुलूस के रूप में पदमपुरा पहुंची। मंगल प्रवेश के दौरान उपाध्यक्ष सुरेश काला एवं मानद मंत्री हेमंत सोगानी के नेतृत्व में आचार्य संघ का पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर भव्य अगवानी की गई। इससे पूर्व आचार्य ससंघ के सानिध्य में आकोडिया स्थित श्री पाश्र्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में प्रातः अभिषेक एवं शांतिधारा के पश्चात पदमपुरा के लिए मंगल विहार किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आचार्य संघ के झांझरी सभागार पहुंचने पर विशद छाया मंच की महिलाओं एवं गुरु भक्तों ने उर्मिला पाटनी के नेतृत्व में गुलाब पुष्पों की वर्षा कर भव्य स्वागत किया। पदमपुरा के मानद मंत्री हेमंत सोगानी ने बताया कि क्षेत्र पर मूलनायक भगवान पदमप्रभु के दर्शन, अभिषेक के बाद विश्व कल्याण की भावना से शांतिधारा की गई। आयोजित धर्मसभा में जयपुर सिद्धार्थ नगर के गौरव मुनि विशाल सागर ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन किए गए तथा गणमान्य श्रेष्ठीजनों द्वारा जिनवाणी भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। अपने मंगल प्रवचन में आचार्य विशद सागर महाराज ने कहा कि 11 साल बाद भगवान पदमप्रभु के चरणों में आकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने 11 वर्ष पूर्व जयपुर में विभिन्न जिनालयों के जीर्णोद्धार, पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं वेदी प्रतिष्ठा जैसे आयोजनों की स्मृतियां साझा कीं। आचार्य श्री ने प्राचीन तीर्थ क्षेत्रों और जिनालयों के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार पर विशेष बल देते हुए युवाओं से धर्म कार्यों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। इस अवसर पर क्षेत्र कमेटी के डॉ विमल कुमार जैन, नरेंद्र पांड्या सहित बैनाड़ अतिशय क्षेत्र के मंत्री अमरचंद दीवान खोराबीसल, झोटवाड़ा जैन समाज के पूर्व

अध्यक्ष राजीव पाटनी, धीरज पाटनी, अध्यक्ष अजय काला, मंत्री नवीन पांड्या, प्रमोद बाकलीवाल, निर्मल गोधा, विमल बाकलीवाल, उर्मिला पाटनी सहित अनेक गणमान्य श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद प्राप्त किया। विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आचार्य संघ ने इंदौर से पन्ना तक लगभग 1500 किलोमीटर की पदयात्रा 43 दिनों में पूर्ण कर पदमपुरा पहुंचा। धर्मसभा में जयपुर के विभिन्न जैन समाजों–झोटवाड़ा, वरुण पथ जैन मंदिर, दिगम्बर जैन मंदिर, राधा निकुंज, अंबाबाड़ी, मालपुरा सहित अन्य कॉलोनियों के श्रद्धालुओं ने श्रीफल भेंट कर मंगल प्रवास हेतु निवेदन किया। आचार्य संघ का लगभग 4 दिवस का प्रवास पदमपुरा अतिशय क्षेत्र में प्रस्तावित है, जिसके पश्चात जयपुर की ओर मंगल विहार होने की संभावना है।

राजनीति

तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा या सकारात्मक सोच की शक्ति?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वर्तमान आधुनिक डिजिटल युग में, जहां विज्ञान और तर्क ने जीवन को नई दिशा दी है, वहीं अंधविश्वास और गलतफहमियां अब भी समाज में गहराई से मौजूद हैं। खासकर 3 और 13 जैसे अंकों को लेकर यह धारणा बनी हुई है कि ये अशुभ होते हैं। लेकिन वास्तविकता इससे अलग है। यदि हम इन अंकों को सकारात्मक दृष्टि से देखें, तो इनके पीछे अनेक सफलताओं और प्रेरणादायक घटनाओं की कहानियां छिपी हैं। भारतीय समाज में प्राचीन काल से ही मान्यताओं, कहावतों, धार्मिक परंपराओं और अंकों के प्रभाव का विशेष महत्व रहा है। समय-समय पर सरकार और समाज ने कई कुप्रथाओं को समाप्त करने का प्रयास किया है, लेकिन कुछ मान्यताएं आज भी लोगों की सोच में बनी हुई हैं। इन्हें खत्म करने का एकमात्र उपाय जनजागरूकता और सकारात्मक सोच है। 3 और 13 को अशुभ मानने की धारणा भी इसी श्रेणी में आती है। यदि हम इतिहास की ओर देखें, तो कई उदाहरण इस धारणा को गलत साबित करते हैं। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन में 13 अंक का विशेष महत्व रहा। उन्होंने 13 मई 1996 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। उनकी सरकार 13 दिन चली, फिर 13 महीने बाद वे दोबारा प्रधानमंत्री बने। तीसरी बार 13 अप्रैल 1999 को उन्होंने शपथ ली और इस बार उनका कार्यकाल पूरा 5 वर्ष चला। 2004 के चुनाव में भी उन्होंने 13 अप्रैल को नामांकन भरा। यह दर्शाता है कि 13 उनके लिए अशुभ नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण और निर्णायक संख्या थी। इसी प्रकार, 3 अंक का भी हमारे जीवन में गहरा और सकारात्मक प्रभाव है। भारतीय संस्कृति में त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश सृष्टि के संचालन का आधार हैं। त्रिदेवी लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती समृद्धि, ज्ञान और शक्ति का प्रतीक हैं। मंदिरों में तीन परिक्रमा, पूजा में तीन बार आचमन और आरती का तीन बार होना, यह सब 3 के महत्व को दर्शाता है।

संपादकीय

लोकतंत्र की परीक्षा और राजनीतिक हिंसा का बढ़ता खतरा

अमेरिकी राजधानी वाशिंगटन, डी.सी. के वाशिंगटन हिल्टन में शनिवार रात व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन के वार्षिक डिनर के दौरान हुई गोलीबारी ने पूरे अमेरिका को झकझोर दिया। कार्यक्रम में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। एक हथियारबंद व्यक्ति ने सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश करते हुए फायरिंग की, लेकिन सीक्रेट सर्विस की

तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। घटना के समय करीब 2600 मेहमान पत्रकार, राजनेता और प्रशासनिक अधिकारी बॉलरूम में मौजूद थे। अचानक सुरक्षा जांच क्षेत्र के बाहर गोलियों की आवाज गूंजी और अफरातफरी मच गई। हमलावर, 31 वर्षीय कोल टॉमस एलन, शॉटगन, हैंडगन और चाकू से लैस था। सीसीटीवी फुटेज में वह तेजी से सुरक्षा एजेंट्स की ओर बढ़ता दिखा। जवाबी कार्रवाई में एक अधिकारी घायल हुआ, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट ने उसकी जान बचा ली। एलन को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया और कोई अन्य हताहत नहीं हुआ। अमेरिका के कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच के अनुसार हमले का लक्ष्य प्रशासन के शीर्ष अधिकारी थे। हमलावर के नोट में ''उच्चतम से निम्नतम रैंक'' तक अधिकारियों को निशाना बनाने की बात लिखी थी। हालांकि ट्रंप का नाम सीधे नहीं था, लेकिन प्रशासन के प्रति गहरी नाराजगी स्पष्ट थी। यह घटना ट्रंप की सुरक्षा से जुड़ा तीसरा बड़ा खतरा मानी जा रही है, विशेषकर पेंसिल्वेनिया के बटलर में हुए 2024 के हमले के बाद। डिनर, जो आमतौर पर मीडिया और सत्ता के बीच हल्के-फुल्के संवाद का मंच होता है, इस बार भय का प्रतीक बन गया। मेहमान टेबलों के नीचे छिपे, चीख-पुकार मची और माहौल तनावपूर्ण हो गया। कई पत्रकारों ने इसे फिल्म जैसा दृश्य बताया, लेकिन यह वास्तविकता थी। आयोजकों ने कार्यक्रम में मेंटलिस्ट ओज पर्लमैन को आमंत्रित किया था, पर राजनीतिक तनाव ने पूरे आयोजन को प्रभावित कर दिया। हमलावर की पृष्ठभूमि भी चिंताजनक है। वह एक शिक्षक और वीडियो गेम डेवलपर बताया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में उसके नोट से प्रशासन के प्रति आक्रोश सामने आया, लेकिन सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि सोशल मीडिया पर बढ़ती कटुता, राजनीतिक ध्रुवीकरण और हथियारों की आसान उपलब्धता ऐसी घटनाओं को बढ़ावा दे रही है। यह याद दिलाता है कि 1981 में इसी होटल के बाहर रोनाल्ड रीगन पर भी हमला हुआ था। इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इतने कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बावजूद हमलावर हथियारों के साथ कैसे पहुंचा, यह जांच का विषय है। सीक्रेट सर्विस और होटल सुरक्षा की समीक्षा अब अनिवार्य हो गई है। वहीं राजनीतिक दलों और मीडिया को भी संयम बरतने की आवश्यकता है, क्योंकि तीखी बयानबाजी अक्सर हिंसा को जन्म देती है। अमेरिका में राजनीतिक हिंसा का बढ़ता सिलसिला लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती है। 2024 के चुनावों के बाद भी ध्रुवीकरण कम नहीं हुआ है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

आप में सियासी भूचाल

कांतिलाल मांडोत

देश की राजनीति में एक बार फिर एक ऐसा घटनाक्रम सामने आया है जिसने संसद से लेकर राजनीतिक गलियारों तक हलचल मचा दी है। आम आदमी पार्टी (आप) में आई इस बड़ी टूट ने न केवल पार्टी के आंतरिक संकट को उजागर किया है, बल्कि दलबदल विरोधी कानून की प्रासंगिकता और उसकी सीमाओं पर भी नई बहस छेड़ दी है। राज्यसभा के कई सांसदों द्वारा पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की घोषणा के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या ये सांसद अपनी सदस्यता बचा पाएंगे या उन्हें अयोग्यता का सामना करना होगा। इस पूरे विवाद के केंद्र में राघव चड्ढा हैं, जिनके साथ संदीप पाठक, अशोक मित्तल, विक्रम साहनी, हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल और नरेंद्र गुप्ता जैसे दिग्गज नामों का उल्लेख किया जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि इन सभी ने 'आप' से नाता तोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया है। इस घटना ने राजधानी के राजनीतिक तापमान को चरम पर पहुंचा दिया है। दूसरी ओर, संजय सिंह ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज किया है। उन्होंने राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन को याचिका सौंपकर इन सात सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग की है। उनका तर्क है कि इन सांसदों ने संविधान की दसवीं अनुसूची का स्पष्ट उल्लंघन किया है। भारत में दलबदल विरोधी कानून (दसवीं अनुसूची) वर्ष 1985 में 52वें संविधान संशोधन के जरिए लागू किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करना और निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए बार-बार पार्टी बदलने की 'आया राम-गया राम' वाली प्रवृत्ति को रोकना था। इस कानून के तहत यदि कोई निर्वाचित सदस्य स्वेच्छा से अपनी पार्टी की सदस्यता छोड़ता है, तो उसकी सदस्यता समाप्त हो सकती है। इसके अलावा, यदि कोई सांसद सदन में अपनी पार्टी के 'व्हिप' (निर्देश) के खिलाफ मतदान करता है या अनुपस्थित रहता है, तो भी वह अयोग्य माना जाता है। निर्दलीय सदस्यों के लिए भी नियम सख्त हैं; यदि वे जीतने के बाद किसी दल में शामिल होते हैं, तो उन्हें तुरंत पद छोड़ना पड़ता है। हालांकि, इस कानून में 'विलय' का एक महत्वपूर्ण अपवाद है। प्रावधान के अनुसार, यदि किसी विधायी दल के कम से कम दो-तिहाई सदस्य एक साथ किसी अन्य दल में शामिल होते हैं, तो इसे दलबदल नहीं बल्कि वैध विलय माना जाता है। ऐसे में सदस्यों पर अयोग्यता की तलवार नहीं लटकती। वर्तमान मामले का भविष्य भी इसी गणित पर टिका है। यदि 'आप' के बागी सांसदों की संख्या दो-तिहाई के आंकड़े को छू लेती है, तो वे राहत पा सकते हैं, अन्यथा उनकी कुर्सी जाना तय है। इस मामले में अंतिम निर्णय लेने का संवैधानिक अधिकार राज्यसभा के सभापति के पास है। वर्तमान में उपराष्ट्रपति इस जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहे हैं। उनका फैसला भारतीय राजनीति की भावी दिशा तय करेगा। हालांकि, सभापति का निर्णय न्यायिक समीक्षा से परे नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर रखा है कि ऐसे निर्णयों को अदालत में चुनौती दी जा सकती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मामला केवल एक दल तक सीमित नहीं है। यदि इतनी बड़ी संख्या में सांसद बिना किसी कार्रवाई के पाला बदल लेते हैं, तो यह भविष्य के लिए एक मिसाल बन जाएगा। यह घटनाक्रम याद दिलाता है कि लोकतंत्र की मजबूती केवल कानून की किताबों में नहीं, बल्कि नैतिक राजनीतिक संस्कृति और संवाद की प्राथमिकता में निहित है।

Photo By
Sanjay Jain @ 9414349477

ठोलियान मंदिर, सांगानेर में 3 वर्ष 3 माह बाद 800 वर्ष प्राचीन जिनबिम्ब पुनः भूगर्भ में विराजमान

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, ठोलियान में 3 वर्ष 3 माह बाद भूगर्भ से निकाले गए अतिशयकारी 800 वर्ष प्राचीन जिनबिम्बों को विधि-विधान के साथ पुनः भूगर्भ में विराजमान किया गया। यह आयोजन आचार्य सुन्दर सागर महाराज, आचार्य शशांक सागर महाराज एवं गणिनी आर्यिका नन्दीश्वर मति माताजी ससंघ के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। 5 दिवसीय महामस्तकाभिषेक महोत्सव के तहत 23 से 27 अप्रैल तक चले इस आयोजन में अंतिम दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मुख्य संयोजक प्रदीप ठोलिया एवं संयोजक मीनू सोगानी ने बताया कि प्रातः 7 बजे से नित्य अभिषेक, शांतिधारा एवं अष्टद्रव्य से पूजन सम्पन्न हुआ। मीडिया प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार, इस अवसर पर उपाध्याय विकसंत सागर महाराज ससंघ (5 पिच्छिका) का भव्य मंगल प्रवेश हुआ। पूर्व से विराजमान 36 पिच्छिका के साथ इन 5 पिच्छिका का विशेष मिलन भी आकर्षण का केंद्र रहा। इससे पूर्व आचार्य सुन्दर सागर महाराज ने श्योपुर निवासी स्वर्गीय गुलाबचंद हाडा की धर्मपत्नी चन्द्रकांता हाडा को जिनेश्वरी दीक्षा प्रदान कर उनका नामकरण आर्यिका चंदनामति माताजी किया। अध्यक्ष अशोक चांदवाड एवं महामंत्री राजीव ठोलिया ने बताया कि भट्टारक अरिहंत कीर्ति एवं प्रतिष्ठाचार्य पंडित सनत कुमार जैन के निर्देशन में मंत्रोच्चार के साथ जिनबिम्बों का अभिषेक, पंचामृत अभिषेक एवं शांतिधारा की गई, जिसमें विश्व शांति और समृद्धि की कामना की गई। धर्मसभा में दीप प्रज्वलन के बाद उपाध्याय विकसंत सागर महाराज एवं श्रेष्ठीजनों द्वारा आचार्य सुन्दर सागर महाराज का पाद प्रक्षालन किया गया। जिनवाणी भेंट के पश्चात श्रद्धालुओं ने अर्घ्य अर्पित किए। आचार्य श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि श्रद्धाभाव से की गई भक्ति ही मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। महोत्सव में राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, समाजश्रेष्ठी मनोज सोगानी,

अशोक बाकलीवाल, कमल वैद सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे और सभी ने जिनबिम्बों के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। दोपहर 3 बजे तक श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक एवं दर्शन किए। इसके बाद दक्षिण भारतीय परंपरा के अनुसार विशेष सामग्री–गीली सुपारी, सर्वोषधि, लाल एवं पीला चन्दन, पुष्प, सुगंधित जल, दूध, दही आदि से अंतिम पंचामृत अभिषेक किया गया। इसके साथ ही रत्न वर्षा एवं भव्य शांतिधारा सम्पन्न हुई। शांतिधारा के क्रम में विभिन्न परिवारों ने सहभागिता निभाई। सायंकाल 4 बजे जयकारों के बीच आचार्य संघ के निर्देशन में जिनबिम्बों को पुनः भूगर्भ स्थित चैत्यालय में स्थापित किया गया। श्री वीर सेवक मंडल जयपुर के सदस्यों ने व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान किया। आयोजन से जुड़े प्रकाश ठोलिया एवं विशाल ठोलिया ने बताया कि संध्या समय संगीतमय महाआरती एवं भक्ति संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें भजनों की प्रस्तुति दी गई तथा श्रद्धालुओं ने भाव-विभोर होकर भाग लिया।

रिपोर्ट
विनोद जैन कोटखावदा,
मीडिया प्रभारी

आचार्य श्री 108 आदित्य सागर महाराज का ससंघ जयपुर के लिए मंगल विहार

श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

स्थानीय श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में आचार्य श्री 108 आदित्य सागर महाराज का ससंघ जयपुर के लिए मंगल विहार हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने आचार्य श्री के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंगल विहार से पूर्व आयोजित धर्मसभा में आचार्य श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि प्रभु के प्रति समर्पण ही जीवन का मूल मंत्र है। समर्पण सद्गुणों के प्रति होना चाहिए, जिससे व्यक्ति स्वयं को समझ सके और अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सके। उन्होंने कहा कि आत्मज्ञान के माध्यम से ही मनुष्य अपने जीवन को सफल बना सकता है। आचार्य श्री ने कहा कि जीवन में समर्पण का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। मनुष्य जैसा सोचता है और जैसा आचरण करता है, वैसा ही बन जाता है। व्यक्ति अपने कर्मों के आधार पर ही सुख और दुख का अनुभव करता है। यदि मनुष्य समर्पण की भावना को अपनाता है, तो उसके जीवन में शांति और संतुलन आता है। उन्होंने आगे कहा कि जब व्यक्ति अपने अहंकार को त्याग देता है, तभी वह सच्चे अर्थों में समर्पण कर पाता है। हमारे जीवन में अनेक समस्याएं आती हैं, लेकिन समर्पण भाव से उनका समाधान संभव है। सच्चा समर्पण वही है, जिसमें व्यक्ति अपने स्वार्थ को छोड़कर दूसरों के हित के बारे में सोचता है। आचार्य श्री ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में समर्पण, सेवा और सदाचार को अपनाएं तथा अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करें। उन्होंने कहा कि समर्पण से ही जीवन में सच्ची खुशी, संतोष और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने धर्मलाभ प्राप्त किया और आचार्य श्री से मंगल आशीर्वाद लिया।

मेगा जॉब फेयर 2026 में 3200 युवाओं का हुआ चयन

गुरुग्राम. शाबाश इंडिया। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी पहचान बना चुके वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, फरुखनगर, गुरुग्राम में मेगा जॉब फेयर 2026 का सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन में 116 कंपनियों ने भाग लिया और बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए। कॉलेज के रजिस्ट्रार युद्धवीर सिंह लांबा ने बताया कि मेगा जॉब फेयर में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। करीब 4000 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 3200 युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों द्वारा चयनित किया गया। इस जॉब फेयर में कई प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया, जिनमें बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, ऑटोमोबाइल, वित्त, बीमा, खाद्य सेवा और परामर्श सेवाओं से जुड़ी संस्थाएं शामिल रहीं। इन कंपनियों ने युवाओं को विभिन्न पदों के लिए अवसर प्रदान किए। मेगा जॉब फेयर में दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद, झज्जर, रेवाड़ी, सोनीपत, चंडीगढ़, पंजाब, बिहार, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों से विद्यार्थी शामिल हुए। इससे यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर का बन गया। इस अवसर पर कंप्यूटर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल, वित्त, मानव संसाधन, बैंकिंग और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों में योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया गया। बीटेक, बीसीए, बीबीए, एमटेक, एमसीए, एमबीए और पॉलिटेक्निक के विद्यार्थियों को विभिन्न कंपनियों ने शॉर्टलिस्ट किया। कॉलेज के प्रबंध न्यासी कुंवर निशांत सिंह ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर रोजगार अवसर प्रदान करना है।

गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत विशाल संकीर्तन रैली, हजारों गौ भक्तों की भागीदारी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

> कार्यक्रम की शुरूआत में तहसील प्रचारक संत लाल जी महाराज ने सभी संतों, गौ भक्तों, दुर्गा शक्ति अखाड़े की बहनों, स्काउट-गाइड, मुस्कान टोली, गौ मित्र मंडल तथा अन्य सहयोगी संस्थाओं का आभार जताया।

''गौ सम्मान आह्वान अभियान'' के अंतर्गत सोमवार को शहर में भव्य एवं अनुशासित संकीर्तन पैदल रैली का आयोजन किया गया। इसमें संत समाज, गौ सेवकों तथा हजारों की संख्या में महिला-पुरुष गौ भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संकीर्तन पदयात्रा से पूर्व राजेन्द्र मार्ग विद्यालय मैदान में संतों-महंतों ने गौ माता के संरक्षण और उन्हें राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने की आवश्यकता पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की शुरूआत में तहसील प्रचारक संत लाल जी महाराज ने सभी संतों, गौ भक्तों, दुर्गा शक्ति अखाड़े की बहनों, स्काउट-गाइड, मुस्कान टोली, गौ मित्र मंडल तथा अन्य सहयोगी संस्थाओं का आभार जताया। विभिन्न संतों ने अपने उद्बोधन में कहा कि गौ माता केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता और प्रकृति के संतुलन की आधारशिला है। सभा में संकट मोचन हनुमान मंदिर के महामंडलेश्वर बाबू गिरी महाराज, हरि सेवा धाम के संत मायाराम, संत मुरारी दास, संत रामदास, बृजेंद्र शास्त्री, निलेश महाराज, उद्धव शरण, मिहिर महाराज, लखन गिरी सहित अनेक संत उपस्थित रहे और सभी ने गौ संरक्षण के लिए जनजागरण का आह्वान किया। भीलवाड़ा विधायक अशोक कुमार कोठारी ने कहा कि गौ माता की पीड़ा को समाज भलीभांति समझता है और उनकी सेवा से ही जीवन का कल्याण संभव है। उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत करोड़ों हस्ताक्षरों से युक्त प्रार्थना पत्र देश के सर्वोच्च पदाधिकारियों को सौंपे जा रहे हैं। परम गौ भक्त सुनील जागेटिया ने भी अपने विचार रखते हुए गौ सेवा को जीवन का सर्वोच्च धर्म बताया। कार्यक्रम का संचालन बाबूलाल टाक ने किया और सभी प्रतिभागियों से अनुशासन एवं शालीनता बनाए रखने की अपील की। इसके बाद संकीर्तन यात्रा राजेन्द्र मार्ग विद्यालय मैदान से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों– राजेन्द्र मार्ग, महावीर पार्क, राजीव गांधी मार्केट, सूचना केंद्र, बजरंगी चौराहा, गोल प्याऊ, सदर बाजार, सरकारी दरवाजा, अंबेडकर सर्किल तथा मशीनरी मार्केट होते हुए जिला कलेक्ट्रेट पहुंची। कलेक्ट्रेट परिसर में संतों के सानिध्य में प्रतिनिधिमंडल ने हजारों हस्ताक्षरयुक्त प्रार्थना पत्र जिला कलेक्टर के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम सौंपे। प्रार्थना पत्र में गौवंश की सुरक्षा, सेवा एवं सम्मान हेतु केंद्रीय कानून बनाने, गौ सेवा मंत्रालय की स्थापना, गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने तथा गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने जैसी प्रमुख मांगें रखी गईं। यात्रा के दौरान भजन-कीर्तन की मधुर ध्वनि के साथ ''जय गौ माता, जय गोपाल'' के उद्घोष गूंजते रहे। इस अवसर पर गौ माता एवं श्रीकृष्ण-बलराम की आकर्षक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। कई प्रमुख गौ भक्त, जिनमें विधायक अशोक कुमार कोठारी, संत लाल जी महाराज और सुनील जागेटिया शामिल थे, नंगे पांव पदयात्रा में शामिल हुए। वक्ताओं ने कहा कि गौवंश भारतीय संस्कृति, कृषि और अर्थव्यवस्था की आधारशिला है, इसलिए इसके संरक्षण के लिए सख्त कानून और ठोस नीति आवश्यक है। यह अभियान देशभर में चलाया जा रहा है और समाज के विभिन्न वर्ग इसमें सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। रैली शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुई। इसमें अनेक सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लेकर गौ संरक्षण के इस जनअभियान को समर्थन दिया।

बापू नगर में महासमिति महिला अंचल का 8वां मासिक पूजन विधान भव्यता से सम्पन्न

बापू नगर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल एवं महिलांचल राजस्थान के तत्वावधान में श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय, बापू नगर में 8वां मासिक अभिषेक एवं पूजन विधान अत्यंत श्रद्धा, भव्यता और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की परम संरक्षिका श्रीमती निशा शाह की प्रेरणा से आयोजित इस धार्मिक आयोजन में भगवान का अभिषेक, शांतिधारा, पूजन एवं विधान विधिवत सम्पन्न किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित किया। पूरे आयोजन के दौरान वातावरण भक्तिमय और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा। मुख्य समन्वयक एवं अंचल कार्याध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में धार्मिक जागरूकता और आस्था को सुदृढ़ करना है। चैत्यालय के अध्यक्ष राजकुमार सेठी, मंत्री संजय पाटनी एवं कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार मोदी के सान्निध्य में आयोजन गरिमामय रूप से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर ज्ञानचंद झांझरी, डॉ पी सी जैन, सूरज प्रकाश अजमेरा एवं मनीष बेद की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरूआत शकुन जैन द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई, जबकि शशि सोगानी द्वारा मुख्य कलश स्थापना की गई। त्रिशला गोधा, स्नेहलता काला, रचना बेद एवं मधु हाड़ा की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई। पूजन विधान पंडित रमेश जी द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ सम्पन्न कराया गया। महिलांचल अध्यक्षा शकुंतला बिंदायका के नेतृत्व में कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित हुआ। संगीतमय विधान का संचालन सचिव सुनीता गंगवाल ने किया। कोषाध्यक्ष उर्मिला जैन ने बताया कि कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में सभी का सराहनीय सहयोग रहा। धार्मिक मंत्री अनीता जैन, निशा जैन, सीमा जैन, संगीता जैन, सीमा बड़जात्या की सक्रिय भूमिका उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के अध्यक्ष अनिल जैन, महामंत्री महावीर बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष रमेश सोगानी, राकेश गोदिका, मोहनलाल जैन, महावीर बिंदायका, ज्ञानचंद जैन, डॉ नमोकार जैन, कैलाश मलैया, शांति कुमार काला, राजेंद्र शाह तथा अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे। विधान के पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद स्वरूप भोजन का आनंद लिया। अंत में अध्यक्षा शकुंतला बिंदायका ने सभी श्रद्धालुओं एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

हिंदी विद्या भवन में गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए परिंडे लगाए

सीकर. शाबाश इंडिया। बजाज रोड स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हिंदी विद्या भवन में भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए। विद्यालय परिसर में कई स्थानों पर परिंडे स्थापित किए गए हैं, जिनमें नियमित रूप से पानी भरने की व्यवस्था की गई है, ताकि बेजुबान पक्षियों को राहत मिल सके। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक सुरेश ने कहा कि तेज गर्मी के मौसम में प्रत्येक नागरिक को पक्षियों के लिए परिंडे लगाने चाहिए और उनमें नियमित रूप से स्वच्छ पानी भरना चाहिए। उन्होंने सभी से अपील की कि पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। इस अभियान में विद्यालय के समस्त स्टाफ ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के दौरान जुगल काला, प्रियंक गंगवाल, अध्यापिका सुरेश, मिलेश, किशोर सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार की इस पहल से पर्यावरण संरक्षण और जीवदया का संदेश प्रसारित हुआ।

महिला उद्यमियों के समूह फेमप्रेन्योर द्वारा विशेष स्किन केयर सत्र आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। महिला उद्यमियों के समूह फेमप्रेन्योर द्वारा मालवीय नगर स्थित हेयर एंड ग्लो स्किन एस्थेटिक स्किन एंड हेयर सेंटर में एक विशेष स्किन केयर सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सौंदर्य, स्वास्थ्य और नेटवर्किंग का सुंदर संगम रहा। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के स्वागत के साथ हुई, जहां सभी का अभिनंदन स्वादिष्ट हाई टी के साथ किया गया, जिससे शाम का माहौल और भी आनंदमय हो गया। सेंटर की संचालिका निशा जैन ने बताया कि इस सत्र का उद्देश्य महिलाओं को उनकी त्वचा और बालों की सही देखभाल के प्रति जागरूक करना है। सत्र के दौरान विशेषज्ञों द्वारा आधुनिक मशीनों की सहायता से स्किन और हेयर एनालिसिस किया गया, जिससे प्रतिभागियों को अपनी त्वचा और बालों की वास्तविक स्थिति को समझने का अवसर मिला। विशेषज्ञों ने दैनिक देखभाल, सही उत्पादों के चयन और संतुलित जीवनशैली के महत्व पर भी विस्तार से जानकारी दी। फेमप्रेन्योर समूह की संस्थापक मेघा गुप्ता ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन महिलाओं को न केवल ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि उन्हें एक-दूसरे से जुड़ने और अपने अनुभव साझा करने का मंच भी देते हैं। कार्यक्रम में अक्षिता गर्ग के नेतृत्व में मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिसने पूरे माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को आपसी संवाद और नेटवर्किंग का भी उत्कृष्ट अवसर मिला, जिससे नए व्यावसायिक संबंध स्थापित हुए। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने इसे एक उपयोगी और प्रेरणादायक अनुभव बताया। यह सुसज्जित और सुव्यवस्थित आयोजन ज्ञान, मनोरंजन और आपसी जुड़ाव का एक यादगार अनुभव साबित हुआ। फेमप्रेन्योर द्वारा की गई यह पहल महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके समग्र विकास की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

गौ माता बचेगी तभी राष्ट्र बचेगा : किशोरदास महाराज

बकस्वाहा. शाबाश इंडिया। गौ माता सम्मान आह्वान अभियान के तहत देशभर में तहसील और विकासखंड स्तर पर गौ संरक्षण के लिए ज्ञापन सौंपे जा रहे हैं। इसी क्रम में बकस्वाहा तहसील मुख्यालय पर हजारों सनातन धर्मावलंबियों ने शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस कार्यक्रम का नेतृत्व श्रीधाम वृन्दावन स्थित गोरीलाल कुंज एवं पड़रिया धाम के महंत किशोरदास महाराज ने किया। उन्होंने कहा कि ''गौ माता बचेगी तभी राष्ट्र बचेगा।'' उन्होंने गौ माता की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि गौ सेवा और संरक्षण से ही समाज में सुख, शांति और समृद्धि संभव है। तपती दोपहर के बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों और संकीर्तन के साथ सड़कों पर उतरे और गौ संरक्षण के समर्थन में अपनी एकजुटता दिखाई। कार्यक्रम की शुरूआत स्थानीय सिद्ध स्थल श्री बिहारी जी मंदिर से हुई, जहां से रैली बस स्टैंड स्थित कदम्ब मैदान तक पहुंची। यहां एक विशाल सभा का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। सभा के दौरान संतों और श्रद्धालुओं ने गौ संरक्षण को भारतीय संस्कृति, आस्था और परंपरा से जोड़ते हुए गौशालाओं के निर्माण की मांग की। साथ ही देश में संचालित बूचड़खानों को बंद करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। महंत किशोरदास महाराज ने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति की आधारशिला है और उनकी रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने प्रशासन से इस दिशा में ठोस और प्रभावी कदम उठाने की अपील की। कार्यक्रम का माहौल पूरी तरह शांतिपूर्ण, अनुशासित और धार्मिक भावनाओं से ओतप्रोत रहा। इसमें धार्मिक, सामाजिक और विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए और गौ संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

रिपोर्ट: रत्नेश जैन रागी, राजेश रागी, बकस्वाहा

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर '**शाबाश इंडिया**' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

FORNIGHTLY : RAJHIN/2013/50192
Since : 2013
WEEKLY : RAJHIN/2013/53754

शाबाश इंडिया

दैनिक ई-पेपर, साप्ताहिक एवं पाक्षिक समाचार पत्र

राकेश जैन गोदिका
प्रधान संपादक
9414078380, 9214078380

shabaasindia.com SHABAASH INDIA NEWS rakeshgodika@gmail.com shabaasindia@gmail.com

14 वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर

शाबाश इंडिया प्रस्तुत करता है

BOLLYWOOD NIGHT

Soulful Melodies

Musical Night

श्री संजय रायजादा
अन्तर्राष्ट्रीय गायक
(ए.बी.सी.एल. फेम)

डॉ. गौरव जैन
अन्तर्राष्ट्रीय गायक
(ए.आर. रहमान फेम)

श्री राकेश कुमार
अन्तर्राष्ट्रीय गायक

श्रीमती दीपशिखा जैन
प्रसिद्ध गायिका
(सोनी टीवी गुरूकुल फेम)

श्रीमती नेहा जैन
प्रसिद्ध गायिका

श्रीमती समता गोदिका
प्रसिद्ध गायिका

शनिवार, 2 मई 2026
समय : सायं 7:00 बजे से

स्थान : वर्धमान सभागार
श्री महावीर स्कुल प्रांगण, सी-स्कीम, जयपुर

स्थापना दिवस विशेषांक का विमोचन

विमोचनकर्त्ता :
श्रीमान् सुरेन्द्र जी पाण्ड्या
प्रमुख समाज सेवी

यू-ट्यूब चैनल का भव्य शुभारम्भ

शाबाश इंडिया

उद्घाटनकर्त्ता :
डॉ. पी. सी. जैन
प्रमुख समाज सेवी

प्रतिभा सम्मान

श्रीमान् सौरभ जैन
10 WORLD RECORD HOLDER
(Motivational Speaker)

सम्मानीय अतिथिगण

समारोह गौरव	अध्यक्षता	मुख्य अतिथि	दीप प्रज्जवलनकर्त्ता
श्रीमान् नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाड़िया	**श्रीमान् सुधांशु जी कासलीवाल**	**श्रीमान् उमराव मल जी संघी**	**श्रीमान् महेश जी काला**
ए.आर.एल. ग्रुप	अध्यक्ष-अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी	अध्यक्ष-श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्	अध्यक्ष-वीर सेवक मण्डल

विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् शैलेन्द्र जी गोधा	**श्रीमान् जे.के. जैन (कालाडेरा वाले)**	**इंजी. डी.एम. जैन**	**श्रीमान् पदम जी बीलाला**	**श्रीमान् मनीष जी लोंगया**
सम्पादक-दैनिक समाचार जगत	अध्यक्ष-नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समीति	रिटा. चीफ इंजीनियर	प्रमुख समाजसेवी	प्रमुख समाजसेवी

आप सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं ।

निवेदक : **राकेश - समता गोदिका**

✻ राजेश - अंजना गोदिका ✻ दिनेश - मीतू गोदिका ✻ राज - एस.के. जैन ✻ सक्षम - आरूषी गोदिका
✻ रचिता - सिद्धार्थ खूटेंटा ✻ अद्विता, रितिशा खूटेंटा एवं समस्त शाबाश इंडिया परिवार

कार्यालय : प्लॉट नं. 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड़, टोंक रोड़, जयपुर ✻ मो. 9414078380, 9214078380

Nitesh Jain Pandya 9314263204
वर्धमान प्रिण्टर्स
51/341, सेक्टर-5, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर
Wedding Card, Flax, Poster, Visiting Card
Bill Books, Envelop, Computer Graphics
All Type of Printing Soluation

Printed by : VARDHMAN PRINTERS # 9314263204

विश्व नृत्य दिवस पर सांस्कृतिक प्रदूषण कम करने का लें संकल्प: शशि सक्सेना

आजाद शेरवानी

कोटा. शाबाश इंडिया। विश्व नृत्य दिवस 29 अप्रैल को मनाया जाएगा, जो नृत्य और संगीत से जुड़े कलाकारों एवं प्रेमियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर है। इस अवसर पर साधना संगीत संस्थान की निदेशक शशि सक्सेना ने नृत्य प्रेमियों को शुभकामनाएं देते हुए सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरु-शिष्य परंपरा के माध्यम से नृत्य की साधना करना हमारी सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने का माध्यम है। आज के समय में जहां आधुनिकता के प्रभाव से सांस्कृतिक प्रदूषण बढ़ रहा है, वहीं शास्त्रीय नृत्य विधाएं धीरे-धीरे उपेक्षित होती जा रही हैं। ऐसे में नृत्य गुरुओं और अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में शास्त्रीय नृत्य के प्रति रुचि विकसित करें शशि सक्सेना ने कहा कि करियर बनाने के लिए केवल सीमित विकल्पों पर निर्भर रहना उचित नहीं है। शास्त्रीय नृत्य भी एक सशक्त करियर विकल्प हो सकता है, जिससे न केवल कला की सेवा होती है, बल्कि व्यक्ति अपनी प्रतिभा को भी निखार सकता है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को केवल भीड़ का अनुसरण करने के बजाय उनकी रुचि और प्रतिभा के अनुसार आगे बढ़ने का अवसर दें। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक समृद्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भूमि प्रतिभाओं से परिपूर्ण है, आवश्यकता केवल उन्हें पहचानने और प्रोत्साहित करने की है। जिन बच्चों में नृत्य की प्रतिभा है, उन्हें सही मार्गदर्शन और प्रशिक्षण देकर उत्कृष्ट कलाकार बनाया जा सकता है। शास्त्रीय नृत्यों की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक नृत्य शैली अपनी अलग पहचान रखती है। कत्थक नृत्य में जयपुर घराने की चक्करदार गतियां, मजबूत पदाघात और लयकारी अद्भुत होती है, वहीं लखनऊ घराने की नजाकत और भाव अभिव्यक्ति दर्शकों को आकर्षित करती है। अंत में उन्होंने सभी नृत्य प्रेमियों से आह्वान किया कि वे शास्त्रीय नृत्य विधाओं को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट होकर प्रयास करें और मां सरस्वती की कला साधना में स्वयं को समर्पित करें।

भीषण गर्मी में तप-साधना की अद्भुत मिसाल बने बाल मुनि श्री अनुकरण सागर जी

संयम, तप और त्याग से जन-जन को दे रहे आध्यात्मिक प्रेरणा

अंबाह. शाबाश इंडिया। भीषण गर्मी के इस दौर में, जब सामान्य जन भी तपती धूप और लू के थपेड़ों से व्याकुल हो उठते हैं, ऐसे समय में जैन संत पूज्य बाल मुनि श्री अनुकरण सागर जी अपने कठोर तप, अटूट संयम और गहन साधना से सभी को आश्चर्यचकित और प्रेरित कर रहे हैं। वर्तमान में वे अंबाह स्थित श्री पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में विराजमान हैं, जहां प्रतिदिन उनका तपस्वी जीवन श्रद्धालुओं के लिए आस्था और प्रेरणा का केंद्र बना हुआ है। बाल मुनि श्री अनुकरण सागर जी का जीवन त्याग, तपस्या और आत्मानुशासन का जीवंत उदाहरण है। अल्पायु में ही उन्होंने सांसारिक मोह-माया का त्याग कर आत्मकल्याण और लोकमंगल का मार्ग अपनाया। प्रचंड गर्मी, कठिन मौसम और शारीरिक कष्टों के बीच भी उनकी साधना में कोई कमी नहीं आती। वे प्रतिदिन नियमित स्वाध्याय, ध्यान, जप और धर्मचिंतन में लीन रहते हैं और कठोर तप के माध्यम से आत्मशुद्धि तथा आत्मोन्नति का संदेश दे रहे हैं। इन दिनों वे तपस्या के उच्च आयामों का पालन कर रहे हैं। तीव्र गर्मी के बावजूद उनका शांत, स्थिर और प्रसन्नचित्त व्यक्तित्व यह दर्शाता है कि आत्मबल और साधना की शक्ति किसी भी भौतिक कठिनाई से कहीं अधिक प्रबल होती है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि सच्चा साधक परिस्थितियों का दास नहीं, बल्कि अपने संकल्प का स्वामी होता है। उनके प्रवचन और जीवनचर्या से न केवल जैन समाज, बल्कि अन्य समाजों के लोग भी प्रभावित हो रहे हैं। श्रद्धालु उनके दर्शन कर आध्यात्मिक ऊर्जा और आत्मिक शांति का अनुभव करते हैं। बाल मुनि श्री अनुकरण सागर जी का तपस्वी जीवन आज की युवा पीढ़ी के लिए विशेष प्रेरणा है, जो यह बताता है कि आत्मसंयम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से जीवन को उत्कृष्ट बनाया जा सकता है। वास्तव में, बाल मुनि श्री अनुकरण सागर जी तप, त्याग और साधना की ऐसी ज्योति हैं, जो समाज को आध्यात्मिक उन्नति, नैतिक मूल्यों और आत्मकल्याण की दिशा में निरंतर आलोकित कर रही है।

श्री शांतिनाथ सेवा संघ की आम सभा गरिमामय वातावरण में संपन्न

21 जून के भव्य वार्षिक आयोजन की रूपरेखा तय, "परम शिरोमणि संरक्षक' नियुक्त

अंबाह. शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ सेवा संघ की आम सभा रविवार को राजधानी में अत्यंत गरिमामय, सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। यह महत्वपूर्ण बैठक संघ के प्रचार मंत्री संजय जैन के निवास पर आयोजित की गई। इसमें समाज के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, गणमान्य सदस्य और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत एवं अभिनंदन के साथ हुआ। सभा की अध्यक्षता अशोक जैन ने की, जबकि संचालन संघ के कोषाध्यक्ष अजय जैन ने किया। इस अवसर पर राजकुमार जैन, सुनील जैन, प्रदीप जैन वसुंधरा तथा रामस्वरूप जैन सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों का सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। वक्ताओं ने संघ द्वारा किए जा रहे धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यों की सराहना करते हुए संगठन की एकता और सक्रियता को और मजबूत बनाने पर बल दिया। सभा के दौरान एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए गोकुल चंद्र जैन, अशोक कुमार जैन और राजकुमार जैन को सर्वसम्मति से संघ का ''परम शिरोमणि संरक्षक'' नियुक्त किया गया। इस घोषणा का उपस्थित सभी सदस्यों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया। इसे संघ के इतिहास में एक प्रेरणादायक और महत्वपूर्ण निर्णय माना गया। बैठक में आगामी 21 जून 2026, रविवार को आयोजित होने वाले भव्य वार्षिक आयोजन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं, जिम्मेदारियों के विभाजन तथा वार्षिक तीर्थयात्रा 2026 की घोषणा को लेकर गंभीर मंथन हुआ। आयोजन को सफल और भव्य बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए। इसी क्रम में आगामी कार्यक्रम के मंच संचालन की जिम्मेदारी सुनील जैन को सौंपी गई। उपस्थित सदस्यों ने उनके अनुभव और कुशल नेतृत्व पर विश्वास व्यक्त किया। अंत में सामूहिक भोजन का आयोजन किया गया। संघ ने सभी समाजजनों से 21 जून के भव्य कार्यक्रम में परिवार सहित उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करने का आह्वान किया।

फागी सहित परिक्षेत्र में जैन धरोहर दिवस के रूप में मनाई स्व. निर्मल कुमार सेठी की 5वीं पुण्यतिथि, विनयांजलि सभा आयोजित

फागी. शाबाश इंडिया

फागी कस्बे सहित चकवाड़ा, चौरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, नीमेडा, लसाड़िया और लदाना क्षेत्र के जैन समाज ने जैन राजनीतिक चेतना मंच के राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय निर्मल कुमार सेठी की 5वीं पुण्यतिथि को ''जैन धरोहर दिवस'' के रूप में मनाया। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर विनयांजलि सभाओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक राजाबाबू गोधा ने बताया कि स्व. निर्मल कुमार सेठी ने श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा में लगभग 40 वर्षों तक राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में सेवा देते हुए जैन समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने युवाओं को आगे बढ़ाने, रोजगार में सहयोग देने और समाज को संगठित करने के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। उन्होंने देश-विदेश में जैन धर्म के प्रचार-प्रसार के साथ जैन पुरातत्व और जिन प्रतिमाओं की पहचान एवं संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके प्रयासों से अनेक प्राचीन तीर्थ, अतिशय क्षेत्र और सिद्ध क्षेत्रों का जीर्णोद्धार संभव हुआ। बताया गया कि उन्होंने लगभग 750 जैन मंदिरों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे कुशल आयोजक, समाजसेवी और जैन संस्कृति के सच्चे संरक्षक थे। समाज के कैलाश कासलीवाल ने कहा कि स्व. सेठी जी का जीवन कर्मयोग और सेवा का अद्भुत उदाहरण था। उनके द्वारा बताए गए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि पूरा जैन समाज उनके योगदान के लिए सदैव ऋणी रहेगा। इस अवसर पर फागी सहित क्षेत्र के विभिन्न जिनालयों—आदिनाथ जिनालय, बीचला मंदिर, मुनि सुव्रतनाथ जिनालय, चंद्रप्रभु जैन नसियां, चंद्रपुरी जैन मंदिर सहित अन्य स्थानों पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में पूर्व सरपंच ताराचंद जैन, प्रेमचंद भंवसा, कैलाश कासलीवाल, ओमप्रकाश कासलीवाल, राजेश छाबड़ा, शांतिलाल मित्तल, वीरेंद्र दोषी, शिखर गंगवाल, ललित कासलीवाल, एडवोकेट रवि जैन, राजकुमार छाबड़ा, अनिल कासलीवाल, भाविक कासलीवाल सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहीं। महिला वर्ग में शकुंतला छाबड़ा, मैना गंगवाल, कमला कासलीवाल, बसंती कडेला, चित्रा गोधा, मनभर कासलीवाल, राजकुमारी दोषी, मंजू छाबड़ा, रेखा धमाणा, मनीषा कासलीवाल, सीमा कासलीवाल, अंकिता गंगवाल, कृतिका मित्तल और रिद्धिमा कासलीवाल सहित अनेक महिलाएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने स्व. निर्मल कुमार सेठी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और समाजहित में उनके अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

रक्तकोष फाउंडेशन बूंदी की जिला उपाध्यक्ष बनी स्वाति दाधीच

बूंदी. शाबाश इंडिया। रक्तकोष फाउंडेशन में स्वाति दाधीच को बूंदी जिला उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति फाउंडेशन के संस्थापक डॉ जितेंद्र कुमार सोनी के नेतृत्व में राष्ट्रीय पदाधिकारियों के मार्गदर्शन तथा जिला अध्यक्ष रामलक्ष्मण मीणा की अनुशंसा पर की गई। स्वाति दाधीच ने बताया कि वे लंबे समय से रक्तदान और सामाजिक सेवा कार्यों से जुड़ी हुई हैं तथा अब तक 39 बार रक्तदान कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि नई जिम्मेदारी के साथ वे रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने का प्रयास करेंगी। उनकी नियुक्ति पर प्रवक्ता रामलाल मीणा, सचिव सीताराम मीणा, महिला प्रभारी नीलम माथुर, जिला संयोजक लोकेश गोस्वामी सहित अनेक सामाजिक कार्यकताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी। जिला अध्यक्ष रामलक्ष्मण मीणा ने कहा कि स्वाति दाधीच के अनुभव और समर्पण से जिले में रक्त की कमी को दूर करने में मदद मिलेगी तथा रक्तदान शिविरों के आयोजन को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

संसार परिभ्रमण का मुख्य कारण 'मोह': विज्ञाश्री माताजी

दिनांक 02 से 3 मई 2026 को जिनसहस्त्रनाम महामंडल विधान एवं गणिनी पदारोहण दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा

प्रातः अभिषेक शांतिधारा के तत्पश्चात गुरु मां ने उपस्थित जनसमूह से संबोधित करते हुए कहा की संसार परिभ्रमण का मुख्य कारण केवल एक है, यदि वह कारण हमारे द्वारा नष्ट हो जाये तो हमारा संसार परिभ्रमण भी नष्ट हो जायेगा। वह कारण है मुख्य रूप से मोह |मोहनीय कर्म इस जीव को संसार में परिभ्रमण कराता है। मोहित हो जाना हो जाना अर्थात उसमें लीन हो जाना, उसमें खो जाना, अपने आप को भूल जाना, अपने स्वभाव को भूल जाना, अपने मूलधर्म को भूल जाना और पर को ही सब कुछ मान लेना। यहाँ तक कि अपने अस्तित्व को भूलकर पर में अपना अस्तित्व स्वीकार कर लेना यह कहलाता है मोह। और जो अपने अस्तित्व को स्वयं स्वीकार कर लेता है, अपने अस्तित्व के अलावा शेष सबको पर मानता है वह व्यक्ति मोक्ष का पात्र बन जाता है। अपना और पराया ये दो शब्द प्रायः करके प्रचलन में बहुत आते हैं। इन दो शब्दों के अलावा व्यवहार नहीं चलता, संसार नहीं चलता, संस्था व समाज नहीं चलती। यहाँ तक कि परिवार में दो व्यक्ति ही क्यों न हों, साधुओं का समूह ही क्यों न हो, यदि वे आपस में वचनालाप करते हैं या कोई भी शब्द व्यवहार करते हैं तो कहीं न कहीं उन्हें अपना-पराया शब्द का प्रयोग करना पड़ता है। प्रतीक जैन सेठी ने बताया की परम पूज्य भारत गौरव आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ के सानिध्य में जिनसहस्त्रनाम महामंडल विधान एवं गणिनी पदारोहण दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा।

सत्येंद्र पांड्या ने उपाध्याय मुनि श्री ऊर्जयन्त सागर जी से आशीर्वाद लेकर मनाया जन्मदिन

जयपुर. शाबाश इंडिया। सत्येंद्र पांड्या ने अपना जन्मदिन उपाध्याय मुनि श्री ऊर्जयन्त सागर जी के सानिध्य में सपरिवार आशीर्वाद प्राप्त कर मनाया। इस अवसर पर उन्होंने मुनिश्री के दर्शन कर आशीर्वाद लिया तथा धर्मलाभ अर्जित किया। जन्मदिन के मौके पर परिवारजनों ने भी मुनिश्री के चरणों में वंदन कर सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। धार्मिक वातावरण में सम्पन्न इस आयोजन में सादगी और श्रद्धा का विशेष भाव देखने को मिला। सत्येंद्र पांड्या ने कहा कि आध्यात्मिक आशीर्वाद के साथ जन्मदिन मनाना जीवन को सकारात्मक दिशा देने वाला अनुभव है। उन्होंने मुनिश्री के मार्गदर्शन को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प भी व्यक्त किया।

बॉब रिटायर्ड जैन मैत्री संघ का दल धार्मिक यात्रा पर रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया। बॉब रिटायर्ड जैन मैत्री संघ का एक दल 26 अप्रैल को धार्मिक यात्रा पर मुक्तेश्वर और नैनीताल के लिए रवाना हुआ। यह यात्रा दल महेन्द्र जैन के नेतृत्व में विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन करेगा और 2 मई को जयपुर लौटेगा। संघपति महेन्द्र जैन के साथ इस यात्रा में आर के जैन, सरला जैन, अभिनंदन जैन, पुष्पा जैन, महावीर जैन, मंजू जैन, मुनेन्द्र गंगवाल, ज्योति जैन, एम पी पाटनी, उर्मिला पाटनी, वीरेंद्र-प्रेम कासलीवाल, वीरेंद्र-सुनीला वोहरा, रमेश-सरोज काला, नीरज-अंजु सेठी, विजय-करुणा कोठारी, पी के जैन, नेमीचंद जैन, अनिल जैन (पूर्व पुलिस अधिकारी), शशि जैन, विमला जैन, सुनील जैन, कुसुम जैन सहित अन्य सदस्य शामिल हैं। यात्रा के दौरान श्रद्धालु धार्मिक स्थलों के दर्शन के साथ रानीखेत, अल्मोड़ा और जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों का भी भ्रमण करेंगे। इस धार्मिक यात्रा के माध्यम से सभी सदस्य आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करेंगे और सामूहिक रूप से धार्मिक वातावरण का अनुभव करेंगे। **रिपोर्ट: महावीर जैन**

जो मन को वश में कर लेता है, वही संसार को जीत लेता है : वैज्ञानिक धर्माचार्य श्री कनक नंदी गुरुदेव

अजीत कोठिया, डडूका, बांसवाड़ा

बांसवाड़ा। समता शिरोमणि वैज्ञानिक धर्माचार्य श्री कनक नंदी गुरुदेव ने भिलुड़ा के समीप शिवगौरी आश्रम से आयोजित अंतरराष्ट्रीय वेबीनार में कहा कि जो व्यक्ति अपने मन को वश में कर लेता है, वह पूरे संसार को वश में कर सकता है। उन्होंने बताया कि जब मुनिराज अपने मन पर पूर्ण नियंत्रण प्राप्त कर लेते हैं, तब तीनों लोक भी उनके अधीन हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि जिन मुनियों ने निशंक भाव से, मान-सम्मान और प्रशंसा की इच्छा से मुक्त होकर आत्मध्यान किया है, उन्होंने विषय-विकारों और कषायों का नाश कर मोक्ष की प्राप्ति की है। मन की शुद्धि के साथ कर्मों का क्षय होता है, जिससे राग-द्वेष और ज्ञानावरण जैसे कर्म समाप्त होते जाते हैं तथा विवेक, प्रज्ञा और ज्ञान का विकास होता है। गुरुदेव ने कहा कि सत्य शाश्वत और अकृत्रिम है। आत्मज्ञान सूर्य के समान है, जबकि राग, द्वेष, चिंता, अवसाद और भय जैसे विकार बादलों की तरह उसे ढक लेते हैं। जब ये विकार हटते हैं, तब ज्ञान का प्रकाश प्रकट होता है। उन्होंने अपने ग्रंथों के संदर्भ में बताया कि सूक्ष्म जीव विज्ञान से लेकर स्थूल जीव तक का गहन विश्लेषण वर्षों पूर्व प्रस्तुत किया गया था, जो आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि केवल पढ़ने या रटने से ज्ञान नहीं बढ़ता, बल्कि करुणा, दया, सहानुभूति और परोपकार के भाव से ही सच्चा ज्ञान विकसित होता है। वेबीनार में यह भी उल्लेख किया गया कि आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने उनके अनेक ग्रंथों का अध्ययन कर उन्हें नई पीढ़ी के लिए अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक बताया है। यह साहित्य अहिंसा, करुणा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अद्वितीय संगम है। कार्यक्रम की जानकारी विजयलक्ष्मी गोदावत, सागवाड़ा द्वारा दी गई।

जैन मिलन अरिहंत के नए पदाधिकारी घोषित, मुकेश जैन बने अध्यक्ष

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

भिंड। भारतीय जैन मिलन अंतर्गत क्षेत्र क्रमांक 2 की एक विशेष बैठक 26 अप्रैल 2026 को संगठन मंत्री सुनील कुमार जैन के निज निवास, भूता गली में आयोजित की गई। बैठक में जैन मिलन अरिहंत के नए पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए मुकेश कुमार जैन (राजू), शास्त्री ऑप्टिकल, भिंड को अध्यक्ष चुना गया। वहीं मनोज कुमार जैन, महावीर गंज को मंत्री तथा रजत जैन को सर्वसम्मति

नवनियुक्त पदाधिकारियों का सभी उपस्थित सदस्यों द्वारा माला एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में शाह विमलचंद्र जैन, अजीत जैन, विकास जैन, अमन जैन, रोहित जैन, राघव जैन, निकेत जैन, उदित जैन, राजकुमार जैन सहित अन्य समाजजन उपस्थित रहे।

से कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों का सभी उपस्थित सदस्यों द्वारा माला एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में शाह विमलचंद्र जैन, अजीत जैन, विकास जैन, अमन जैन, रोहित जैन, राघव जैन, निकेत जैन, उदित जैन, राजकुमार जैन सहित अन्य समाजजन उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को सशक्त बनाने और समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने पर भी चर्चा की गई।

परतापुर में 37 वर्ष बाद एक साथ 5 दीक्षाएं, संजय दोसी बने मुनि श्री सामायिक सागर

अजीत कोठिया, डडूका

परतापुर। 37 वर्ष के लंबे अंतराल के बाद परतापुर नगरी का सौभाग्य पुनः जागृत हुआ, जब साधना महोदधि आचार्य श्री प्रसन्न सागर महाराज के सान्निध्य में एक साथ 5 दीक्षाएं भव्य रूप से सम्पन्न हुईं। इस ऐतिहासिक अवसर पर सुबह 7 बजे से ही सुभाष स्टेडियम श्रद्धालुओं से खचाखच भर गया और आसपास के गांवों से भी भारी जनसमूह उमड़ पड़ा। जैन एवं अन्य समाजों के लोगों ने बड़ी श्रद्धा के साथ इस आयोजन में भाग लिया। इस अवसर पर 37 वर्ष पूर्व 18 अप्रैल 1989 की महावीर जयंती की स्मृतियां ताजा हो गईं, जब इसी नगरी में आचार्य श्री पुष्पदंत सागर महाराज एवं आचार्य श्री प्रसन्न सागर महाराज के सान्निध्य में एक साथ 5 दीक्षाएं सम्पन्न हुई थीं। ब्रह्मचारी, सेवानिवृत्त शिक्षक एवं गुरुभक्त संजय भैया जी दोसी ने दीक्षा ग्रहण कर मुनि श्री सामायिक सागर महाराज का नाम धारण किया। दीक्षा के दौरान जब उन्होंने सांसारिक वस्त्र त्यागे, तो पूरा पांडाल जयघोष से गूंज उठा। ब्रह्म मुहूर्त में आचार्य श्री द्वारा केशलोंचन के साथ दीक्षा प्रक्रिया प्रारंभ हुई और शोभायात्रा वैराग्य भाव के साथ आयोजन स्थल तक पहुंची। इसी क्रम में संघस्थ क्षुल्लक अर्घ सागरजी ने मुनि दीक्षा लेकर मुनि श्री अर्ध सागर महाराज का नाम धारण किया। क्षुल्लिका धर्म प्रभा माताजी ने आर्यिका दीक्षा लेकर आर्यिका धर्म प्रभा माताजी के रूप में नया जीवन प्रारंभ किया। परतापुर की आर्यिका ज्ञान प्रभा माताजी को गणिनी पद से विभूषित किया गया, जिससे वे क्षेत्र की पहली गणिनी आर्यिका बनीं। वहीं कनक दीदी ने क्षुल्लिका दीक्षा लेकर श्री द्रव्य प्रभा माताजी नाम धारण किया। इसके साथ ही पचौरी परिवार की सुशीला देवी को भी क्षुल्लिका दीक्षा प्रदान कर श्री भाव प्रभा माताजी नाम दिया गया। यह क्षण अत्यंत भावुक रहा, लेकिन सभी दीक्षार्थियों ने दृढ़ संकल्प के साथ अपने आध्यात्मिक मार्ग को अपनाया।

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ की 'BIZNEXT' बिजनेस मीटअप संपन्न

उद्यमियों ने साझा किए नए व्यापारिक अवसर

BIZNEXT का उद्देश्य हमारे शहर के टैलेंट और बिजनेस लीडर्स को एक छत के नीचे लाना है ताकि वे साझा विकास की दिशा में कदम बढ़ा सकें...

जयपुर

व्यावसायिक संपर्कों को मजबूती देने और नए आर्थिक अवसरों की खोज के उद्देश्य से रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा शनिवार, 25 अप्रैल को अजमेर रोड स्थित होटल पार्क सेंट्रल में 'BIZNEXT – मेगा बिजनेस नेटवर्किंग मीटअप' का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गुलाबी नगरी के प्रतिष्ठित उद्यमियों, स्टार्टअप संस्थापकों और विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।नेटवर्किंग से खुले प्रगति के द्वारसुबह 7:30 बजे 'हाई-टी' के साथ शुरू हुए इस आयोजन का मुख्य केंद्र बिंदु 'हाई वैल्यू नेटवर्किंग' रहा। औपचारिक बैठक के दौरान प्रतिभागियों को एक ऐसा मंच मिला जहाँ वे अपने व्यवसाय का परिचय देने के साथ-साथ एक-दूसरे के साथ आपसी सहयोग और व्यापारिक संभावनाओं पर चर्चा कर सके। कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञों ने वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में पावरफुल बिजनेस कनेक्शंस और डिजिटल दौर में नेटवर्किंग की महत्ता पर प्रकाश डाला।नवाचार और सहयोग पर जोररोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के अध्यक्ष अनिल जैन ने अपने संबोधन में कहा, आज के समय में व्यवसाय केवल निवेश से नहीं, बल्कि सही संपर्कों से बढ़ता है। BIZNEXT का उद्देश्य हमारे शहर के टैलेंट और बिजनेस लीडर्स को एक छत के नीचे लाना है ताकि वे साझा विकास की दिशा में कदम बढ़ा सकें। रोटरी क्लब भविष्य में भी व्यावसायिक और सामाजिक विकास के लिए इस प्रकार के नवाचारपूर्ण आयोजन जारी रखेगा।सफल एवं प्रेरणादायक सत्रकार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने इस प्लेटफॉर्म को अपने बिजनेस को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक बताया। सुबह 9:30 बजे नाश्ते के साथ सत्र का समापन हुआ, जहाँ अनौपचारिक चर्चाओं के माध्यम से कई नए व्यापारिक समझौतों की नींव रखी गई। क्लब ने भविष्य में भी समाज और व्यावसायिक समुदाय के लाभ के लिए ऐसे इंटरएक्टिव सत्र आयोजित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

उपाध्याय विनिश्चल सागर एवं मुनि श्री अनुपम सागर जी महाराज ससंघ का नगर में भव्य मंगल प्रवेश

सोनल जैन, भिंड

भिंड। पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज के परम शिष्य उपाध्याय श्री विनिश्चल सागर एवं मुनि श्री अनुपम सागर जी महाराज ससंघ का नगर में बैंड-बाजों और ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर भिंड के सकल जैन समाज ने उत्साहपूर्वक अगवानी की। मुनि संघ का विहार लश्कर रोड, परेड चौराहा, सदर बाजार और गोल मार्केट होते हुए पचासा जैन मंदिर तक पहुंचा। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने मुनिश्री का पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे नगर में धार्मिक वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे और सभी ने धर्मलाभ अर्जित किया।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सिटी द्वारा गौशाला में सेवा और भूसा दान का पुण्य कार्य सम्पन्न

भिंड. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सिटी भिंड द्वारा 'प्राणी मात्र की सेवा' के संकल्प के साथ जीव दया एवं मानव सेवा अभियान के अंतर्गत रविवार, 26 अप्रैल 2026 को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। गौरी सरोवर स्थित हाउसिंग कॉलोनी के जीव दया स्थल पर ग्रुप के सदस्यों ने गौ सेवा कर पुण्य अर्जित किया। इस अवसर पर भामाशाह पशु पक्षी आहार योजना के तहत श्री अमित (मोनू) जैन एवं पूनम जैन के सौजन्य से एक ट्राली भूसा गौशाला को भेंट किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने गौमाता की सेवा की और उनके आहार की व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया। ग्रुप के अध्यक्ष शैलेंद्र जैन ने बताया कि संस्था निरंतर जीव दया और मानव सेवा से जुड़े कार्यों में सक्रिय है और भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य जारी रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में सचिव अंशुल जैन एवं आयशा जैन द्वारा दानदाता परिवार का सम्मान किया गया तथा सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष शैलेंद्र-पूनम जैन, सचिव अंशुल-आयशा जैन, कोषाध्यक्ष रविंद्र-सुधा जैन, शिरोमणि संरक्षक अशोक-जया जैन सहित अमित-मोनू जैन, नवीन-अंजू जैन, अतुल-ज्योति जैन, सुभाष-ममता जैन, विकास-प्रीति जैन, आर्जव-दीपा जैन, सिद्धार्थ-श्रुति जैन एवं अन्य 35 से अधिक दांपत्य सदस्य उपस्थित रहे।

श्री विद्यासागर युवा संगठन ने जीव दया के साथ मनाया भगवान महावीर का ज्ञान कल्याणक, 250 परिण्डे वितरित

ब्यावर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर के ज्ञान कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर श्री विद्यासागर युवा संगठन द्वारा स्थानीय पंचायती नसियां में जीव दया कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा भावना और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत भीषण गर्मी को देखते हुए मूक पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए 250 परिण्डे वितरित किए गए। यह पहल जीवों के प्रति करुणा का संदेश देने के साथ समाज में सेवा और संवेदनशीलता की भावना को भी जागृत करती है। कार्यक्रम में पहाड़िया परिवार का विशेष सहयोग रहा। मुख्य पुण्यार्जक श्रीमती चंदा पहाड़िया रहीं, जिनके जन्मदिवस के उपलक्ष्य में यह सेवा कार्य आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री राजकुमार पहाड़िया, श्री यशोधर एवं श्रीमती अमानी सहित पूरे परिवार ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के माध्यम से ''जहां दया है, वहीं धर्म है'' का संदेश साकार हुआ। उपस्थित लोगों ने कहा कि तपती गर्मी में एक छोटा सा परिण्डा भी किसी प्यासे प्राणी के लिए जीवनदायी सिद्ध हो सकता है। कार्यक्रम में संगठन के अध्यक्ष कमल जैन, मंत्री कल्पेश जैन, संगठन मंत्री अमित गोधा, उज्ज्वल काला, मोहित जैन, चंद्रेश जैन, अरुण कासलीवाल, राहुल गदिया, संदीप जैन, मुकेश

जैन, दीपक जैन, महेंद्र कासलीवाल, अनिल कटारिया, विशाल जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। महिला वर्ग में मधु जैन, सुमन जैन, दीपिका जैन, अपेक्षा जैन, प्रियंका जैन, पूजा जैन सहित अनेक सदस्य शामिल हुए। सभी उपस्थित जनों ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए संकल्प लिया कि वे इन परिण्डों में नियमित रूप से पानी भरेंगे, ताकि कोई भी मूक प्राणी प्यासा न रहे। संगठन मंत्री अमित गोधा ने कहा कि भगवान महावीर का संदेश 'जीओ और जीने दो' आज भी उतना ही प्रासंगिक है। जीवों के प्रति करुणा और सेवा ही सच्ची धर्म भावना है। कार्यक्रम के अंत में अल्पाहार की व्यवस्था की गई और सेवा, सहयोग एवं समर्पण की भावना के साथ आयोजन का समापन हुआ।

छत्रपति नगर में ग्रीष्मकालीन जैन धर्म शिक्षण शिविर का शुभारंभ

राजेश जैन दद्दू

इंदौर। मिनी बुंदेलखंड के रूप में प्रसिद्ध छत्रपति नगर में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के तत्वावधान तथा छत्रपति नगर, महावीर बाग, गौरव नगर और अग्रसेन नगर के महिला संगठनों के संयुक्त प्रयास से 26 अप्रैल से 3 मई तक आयोजित ग्रीष्मकालीन जैन धर्म शिक्षण शिविर का शुभारंभ दिगम्बर जैन तीर्थ स्वरूप आदिनाथ जिनालय, छत्रपति नगर के ऋषभ सभागृह में हुआ। शिविर का उद्देश्य बच्चों को जैन धर्म के मूल सिद्धांतों का ज्ञान देकर उन्हें संस्कारित करना है। शिविर में श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर से आए युवा विद्वान सौरभ शास्त्री, सृजन शास्त्री तथा स्थानीय विद्वान पंडित भरत शास्त्री प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ जिनालय ट्रस्ट के अध्यक्ष भूपेंद्र जैन एवं अन्य ट्रस्टी पदाधिकारियों द्वारा आचार्य श्री विद्यासागर जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात महिला संगठनों की ओर से शिविर संयोजक शुभ्रा जैन, रजनी जैन, अंजली जैन, सोनाली बगड़िया तथा अखिल भारतीय महिला परिषद की संभाग अध्यक्ष मुक्ता जैन द्वारा मंगल कलश स्थापना कर कार्यक्रम का विधिवत प्रारंभ किया गया। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि शिविर के प्रथम दिन लगभग 50 बच्चों ने पूजन, अभिषेक और शांतिधारा का प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा उनके धार्मिक महत्व को भी समझा। शिविर में बच्चों के लिए प्रतिदिन जलपान और शरबत की व्यवस्था की गई है, साथ ही उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप उपहार भी प्रदान किए जाएंगे। यह शिविर बच्चों में धार्मिक संस्कार, अनुशासन और आध्यात्मिक जागरूकता विकसित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

बेगस जैन मंदिर का 15वां वार्षिक मेला 3 मई को

'चांदवाड़ सभागार' का होगा भव्य लोकार्पण

जयपुर. शाबाश इंडिया। गुलाबी नगर से 25 किलोमीटर दूर स्थित अति प्राचीन श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, बेगस का 15वां वार्षिक मेला रविवार, 3 मई 2026 को अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। चीफ कोऑर्डिनेटर जयकुमार जैन-बड़जात्या के अनुसार, मेले का शुभारंभ प्रातः 8:30 बजे सोगानी परिवार (सिनोदिया वाले) द्वारा ध्वजारोहण के साथ होगा। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष पूनम चन्द ठोलिया एवं मंत्री सुरेश छाबड़ा ने बताया कि इस वर्ष का मुख्य आकर्षण 'चांदवाड़ सभागार' (डोम) का लोकार्पण होगा। इसका निर्माण दिगम्बर जैन भामाशाह अशोक-शकुंतला चांदवाड़ ने अपने माता-पिता की स्मृति में करवाया है। लोकार्पण मुख्य अतिथि गजेन्द्र-प्रवीण-विकास बड़जात्या (कामां वाले) की उपस्थिति में संपन्न होगा। रमेश छाबड़ा और पवन बड़जात्या ने बताया कि विधान मण्डल पूजन में दीप प्रज्वलन नरेश-नीना कासलीवाल परिवार करेंगे, जबकि सौधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य चेतन कुमार-रेखा छाबड़ा परिवार को मिला है। 465 वर्ष प्राचीन इस मंदिर का जीर्णोद्धार 2011 में पूर्ण हुआ था, जिसके बाद से वार्षिक मेले की परंपरा निरंतर जारी है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों से निशुल्क बसों की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर राजस्थान जैन सभा के मनीष बैद, विनोद कोटखावदा सहित अनेक गणमान्य समाजजन उपस्थित रहेंगे। प्रबंध समिति ने सभी धमार्नुरागियों से मेले में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था सराहनीय: अनिता छाबड़ा

जैन समाज की महिलाओं ने लगाए परिण्डे, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन खण्डेलवाल सरावगी समाज महिला मंडल के तत्वावधान में रविवार को पारसनाथ उद्यान नसियां मंदिर परिसर में भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए परिण्डे लगाने का अभियान शुरू किया गया। महिलाओं ने जैन धर्म के 8वें तीर्थंकर भगवान चन्द्रप्रभु के ज्ञान कल्याणक के उपलक्ष्य में 8 परिण्डे बांधकर उनमें नियमित जल भरने का संकल्प लिया। महिला मंडल की मीडिया संयोजक संजू जौंला ने बताया कि इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए तहसील स्तर पर विभिन्न स्थानों पर भी परिण्डे लगाए जाएंगे, ताकि पक्षियों को गर्मी में सहज रूप से पानी उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जीव दया का संदेश देना है। महिला मंडल की अध्यक्ष अनिता छाबड़ा ने कहा कि भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करना अत्यंत नेक और सराहनीय कार्य है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे भी अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों में परिण्डे लगाकर इस पुनीत कार्य में सहयोग करें। संरक्षक शकुंतला छाबड़ा ने कहा कि बढ़ती गर्मी में कुएं और तालाब जैसे प्राकृतिक जल स्रोत सूख जाते हैं, जिससे पशु-पक्षियों को पानी मिलना कठिन हो जाता है। ऐसे में परिण्डे लगाना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान शांतिनाथ के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसमें विजया टोंग्या, संगीता संधी, सीमा जैन, तृप्ति जैन, वाटिका सोगानी, रेशू जैन, अर्चना सेदरिया सहित अन्य महिलाओं ने सहभागिता निभाई। इस अवसर पर महावीर प्रसाद पराणा, महावीर प्रसाद छाबड़ा, विमल जौंला, सुनील चेनपुरा, हितेश छाबड़ा, विमल पाटनी सहित समाज के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। अभियान के माध्यम से समाज में करुणा, सह अस्तित्व और पर्यावरण संरक्षण का सकारात्मक संदेश प्रसारित किया गया।

भारत विकास परिषद् वैशाली शाखा द्वारा परिंडे वितरण एवं जल मंदिर स्थापना, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारत विकास परिषद् वैशाली शाखा की ओर से बढ़ते तापमान को देखते हुए 26 अप्रैल 2026 (रविवार) को प्रातः 8:30 बजे जनक पार्क, ऑफिसर कैंपस, खातीपुरा में परिंदों के लिए पानी और दाना उपलब्ध कराने हेतु 200 परिंडे वितरित एवं स्थापित किए गए। इस दौरान पार्क में भ्रमण के लिए आने वाले नागरिकों को भी अपने घरों के आसपास परिंडे लगाने के लिए प्रेरित किया गया। इसी अवसर पर जनक पार्क में ''जल मंदिर'' (पांच मटका प्याऊ) की स्थापना भी की गई, जिससे पार्क में आने वाले लोगों के लिए शीतल पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमुदाय के बीच पर्यावरण संरक्षण पर आधारित नुक्कड़ नाटक 'धरती बचाओ, वृक्ष लगाओ' का मंचन किया गया, जिसने लोगों को जागरूक करने का प्रभावी संदेश दिया। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद् प्रांत स्तर से संयोजक पर्यावरण मनोज कुमार मित्तल, शाखा संरक्षक गुंजन सक्सेना, प्रांत प्रकल्प प्रमुख आईटी एवं प्रचार महेश मंगल, आत्म सुरक्षा प्रकल्प प्रमुख वंदना शर्मा, शाखा अध्यक्ष गोवर्धन शर्मा, शाखा सचिव चैनाराम सेपट, कोषाध्यक्ष आशीष शर्मा, पर्यावरण संयोजक रिपू सूदन, सेवा संयोजक नरेंद्र चांगिया, संयुक्त सचिव अनिल जैन सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। महिला सहभागिता में शीला शर्मा, मीना सैनी, माया शर्मा, रितु अग्रवाल, निशा माथुर, प्रतिमा शर्मा, श्यामा पारीक, मंजू गोयल, गुंजन अग्रवाल सहित अन्य सदस्य भी सक्रिय रूप से शामिल हुए। इसके अतिरिक्त मधुसूदन रांकावत, पीयूष सोनी जैन, राजेश पटावरी, गुलजारीलाल शर्मा, महावीर सिंह शेखावत सहित कई गणमान्यजन कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और जीव दया के प्रति जागरूक करने का सफल प्रयास किया गया। **– चैनाराम सेपट, सचिव**

ऋषभ पारेख "सिद्धहेमव्याकरण रत्न" विभूषण से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

संस्कृत व्याकरण विशेषज्ञ एवं शिक्षक ऋषभ पारेख को 'सिद्धहेमव्याकरण रत्न' विभूषण से सम्मानित किया गया। मूलतः शिवगंज, सिरोही निवासी पारेख को यह सम्मान गुजरात के शंखेश्वर जैन तीर्थ में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। सम्मान समारोह जैनाचार्य विजय पूर्णचन्द्र सूरीश्वर महाराज एवं श्रुतरक्षा प्रेरक विजय युगचन्द्र सूरीश्वर के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर श्रुततीर्थ के ट्रस्टी गौतमभाई सांखला तथा शिवगंज जैन संघ अध्यक्ष प्रवीण ने पारेख को सुवर्ण मुद्रिका, स्मृति चिह्न एवं 1 लाख रुपए की सम्मान राशि प्रदान की। इस उपलब्धि पर राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने उन्हें बधाई दी। साथ ही विभिन्न संस्थाओं और गणमान्य व्यक्तियों ने भी पारेख को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इनमें श्री जीरावला पार्श्वनाथ तीर्थ के महामंत्री प्रकाश सीरोडीवाले, श्री नाकोड़ा तीर्थ जैन ज्ञानशाला के प्राचार्य नरेंद्र कोरडिया, एंटी टेररिस्ट फ्रंट के अध्यक्ष मनिंदरजीत सिंह बिट्टा, जयनारायण मीणा, प्रसिद्ध वक्ता रमेश ओझा, संस्कृत भारती गुजरात, हेमचन्द्राचार्य संस्कृत पाठशाला गुरुकुल साबरमती के निदेशक जितेन्द्र शाह तथा ललित नाहटा शामिल रहे। सभी ने अभिनंदन पत्र भेंट कर पारेख का सम्मान किया। समारोह के दौरान जैनाचार्य युगचन्द्र सूरी महाराज एवं ज्ञानदाता मूलशंकर ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन कुणाल भाई द्वारा किया गया। यह सम्मान ऋषभ पारेख के संस्कृत व्याकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान और समर्पण का प्रतीक है।

ब्राह्मण रत्न सम्मान से प्रदेश की 70 प्रतिभाएं सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव के समापन अवसर पर आयोजित प्रदेश स्तरीय ''ब्राह्मण रत्न'' सम्मान समारोह में प्रदेश की 70 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र, साफा एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि ब्राह्मणों को अपने संस्कारों को सुदृढ़ करते हुए समाज को दिशा और मार्गदर्शन देना चाहिए। उन्होंने युवाओं से भगवान परशुराम के आदर्शों पर चलने का आह्वान करते हुए कहा कि बच्चों को संस्कारित करना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा ने कहा कि ब्राह्मण सदैव सर्वहित और सर्वजन सुखाय की भावना से कार्य करता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ब्राह्मण समाज को भी आगे बढ़ने के अवसर मिलने चाहिए और उसे अपनी अग्रणी भूमिका पुनः स्थापित करनी होगी। विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य ने कहा कि जब ब्राह्मण समाज प्रगति करेगा, तब देश में सामाजिक समरसता भी बढ़ेगी। विधायक प्रशांत शर्मा ने सामाजिक संगठनों से एकजुट होकर कार्य करने और लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी भूमिका मजबूत करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय संयोजक आचार्य राजेश्वर ने कहा कि ब्राह्मणों को प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़कर समाज का नेतृत्व करना चाहिए और भगवान परशुराम के संबंध में फैली भ्रांतियों को दूर करना आवश्यक है। एडवोकेट एच सी गणेशिया ने भी ब्राह्मण और सर्व समाज विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में प्रदेश एवं जयपुर शहर कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष दिनेश शर्मा एवं जयपुर शहर अध्यक्ष अजय शर्मा ने समाजहित में सक्रिय रहने और नई योजनाओं पर शीघ्र कार्य शुरू करने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रशासनिक, सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। समारोह के प्रारंभ में अतिथियों का माल्यार्पण, साफा एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। अंत में प्रदेश अध्यक्ष दिनेश शर्मा ने आगामी राष्ट्रीय अधिवेशन की घोषणा की तथा जयपुर शहर अध्यक्ष अजय शर्मा ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

ज्ञान वह प्रकाश है जो अनजाने संकटों से भी बाहर निकाल लाता है: मुनि सुधासागर

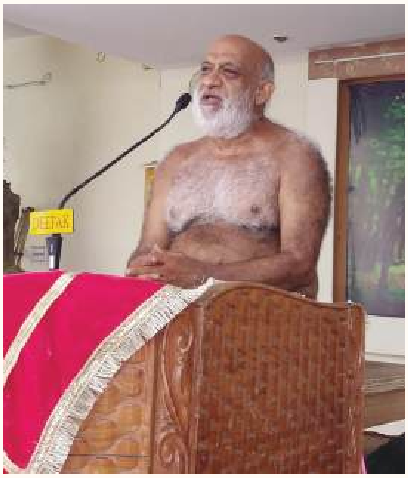

मुंगावली. शाबाश इंडिया। निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने मुंगावली में आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञान वह अद्वितीय शक्ति है, जो व्यक्ति को किसी अनजाने देश या संकट से भी सुरक्षित बाहर निकाल लाती है। उन्होंने जीवन को सुगंधित और प्रकाशवान बनाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने संस्कारों और गुणों के प्रति सजग रहना चाहिए। मुनि श्री ने पारिवारिक मूल्यों पर जोर देते हुए कहा कि जो व्यक्ति अपने माता-पिता और संरक्षक की आज्ञा का उल्लंघन करता है, वह कभी वास्तविक पारिवारिक सुख प्राप्त नहीं कर सकता। बाहरी आकर्षणों और व्यसनों में फंसकर मनुष्य न केवल अपना जीवन नष्ट करता है, बल्कि पूर्व जन्मों के संचित पुण्य को भी गवा देता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को सप्ताह में कम से कम एक नेक कार्य इंसानियत के लिए करने का संकल्प दिलाया। राष्ट्र निर्माण की चर्चा करते हुए मुनि श्री ने कहा कि केवल धन और भौतिक संसाधनों से भारत को विकसित राष्ट्र नहीं बनाया जा सकता। इसके लिए संस्कृति के साथ संस्कारों का होना अनिवार्य है। दुनिया में विशिष्ट पहचान बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक को अपने संस्कारों को अक्षुण्ण रखते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

अंचल भर से उमड़ा जनसैलाब

मुंगावली में 13 वर्षों बाद मुनि श्री के आगमन से पूरे अंचल में उत्साह का माहौल है। दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी, अशोक नगर, शाढ़ौरा और बहादुरपुर सहित अनेक क्षेत्रों से आए भक्तों ने मुनि श्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

संयम और वैराग्य से ही संभव है शाश्वत सुख की प्राप्ति : आचार्य वर्धमान सागर

इंदौर. शाबाश इंडिया। वात्सल्य वारिधि, पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज का ससंघ मंगल प्रवेश निर्माण नगर स्थित पारस जिनालय से नेमी सागर कॉलोनी के नेमिनाथ जिनालय में भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने जीवन निर्माण और मोक्ष प्राप्ति के महत्वपूर्ण सूत्र प्रतिपादित किए। आचार्य श्री ने भगवान नेमिनाथ के जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि पशुओं की करुण पुकार सुनकर उन्हें वैराग्य हुआ और उन्होंने विवाह के पूर्व ही संयम धारण कर लिया। उनकी होने वाली पत्नी राजुल ने भी उसी पथ का अनुसरण किया। आचार्य श्री ने कहा कि जैन धर्म एक आध्यात्मिक धर्म है और तीर्थंकरों का चरित्र हमें वैराग्य की प्रेरणा देता है। भगवान की पूजन तभी सार्थक है, जब हम उनके गुणों को आत्मसात कर संयम का मार्ग अपनाएं। राजेश पंचोलिया के अनुसार, आचार्य श्री ने आधुनिक दौर में बढ़ती संस्कारहीनता पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' के साथ बालिकाओं को उच्च शिक्षा के साथ-साथ व्यसन और फैशन से दूर रहकर सुसंस्कारित बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि भौतिक सुखों की तुलना में संयम से प्राप्त आध्यात्मिक सुख कहीं अधिक महान और शाश्वत है। आचार्य संघ 28 अप्रैल को अन्य कॉलोनियों में विहार करेगा। इसके पश्चात 29 अप्रैल को मंगलम सिटी में आचार्य श्री के कर-कमलों से दो भव्य जैनेश्वरी दीक्षाएं संपन्न होंगी।

शिखर स्थित जिन बिम्बों के अभिषेक के साथ गायत्री नगर जैन मंदिर का त्रिदिवसीय वार्षिकोत्सव सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर, गायत्री नगर, महारानी फार्म की प्रबंध समिति के तत्वावधान में 24 से 26 अप्रैल तक आयोजित त्रिदिवसीय वार्षिकोत्सव भक्ति, श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। यह आयोजन परम पूज्य आचार्य श्री प्रज्ञा सागर महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से सम्पन्न हुआ। महोत्सव के अंतर्गत 24 घंटे का अखंड णमोकार महामंत्र पाठ, विधान पूजा और भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। अंतिम दिन 26 अप्रैल को प्रातः 8 बजे दीपक बिलाला परिवार द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इसके पश्चात श्रीजी की भव्य रथ यात्रा निकाली गई, जिसमें शिखर स्थित जिन बिम्बों का अभिषेक एवं शांतिधारा सम्पन्न हुई। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन बड़जात्या ने बताया कि रथ यात्रा में महावीर जैन ने श्रीजी को रथ में विराजमान किया, जबकि सारथी के रूप में कैलाश छाबड़ा रहे। धर्म प्रवर्तक निर्मल जैन, अनिल जैन, प्रवीण कुमार जैन गदिया एवं अन्य श्रद्धालु बग्गी में शोभायमान रहे। संतोष बांसखो परिवार द्वारा चंवर सेवा की गई। रथ यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने आरती उतारी तथा कॉलोनी विकास समितियों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। मंदिर पहुंचने पर जिन बिम्बों को विधिवत विराजमान किया गया। इसके बाद अष्टद्रव्य पूजन में समाज के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं महिला-पुरुषों ने भक्ति भाव से भाग लिया। सायं 7 बजे सोधर्म इन्द्र परिवार द्वारा भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें बैंड-बाजों के साथ शोभायात्रा निकालकर मंदिर में आरती सम्पन्न की गई। सभी धार्मिक क्रियाएं विधानाचार्य पंडित अजित शास्त्री द्वारा विधिपूर्वक सम्पन्न कराई गईं। इस अवसर पर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा एवं मंत्री राजेश बोहरा ने समिति की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। धर्मसभा का संचालन उपाध्यक्ष अरुण शाह ने किया तथा सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

प्रेषक
उदयभान जैन बड़जात्या